राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 10 जुलाई 2026 वर्ष-9,अंक-158 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

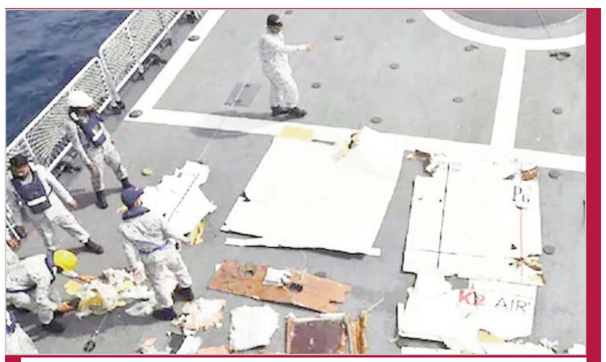

पाकिस्तानी विमान दुर्घटना- मलबा मिला, पांच क्रू सदस्य लापता

कराची।

संयुक्त अरब अमीरात के शारजाह से पाकिस्तान के कराची जा रहा के2 एयरवेज का एक बोइंग 737 कार्गो विमान अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। विमान का मलबा बुधवार को बरामद कर लिया गया है, हालांकि इसमें सवार पांच क्रू सदस्य अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश में व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी के अनुसार, एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूटने के बाद लापता हुए इस विमान का मलबा करीब 12 घंटे के सघन तलाशी अभियान के बाद ओरमारा बंदरगाह से लगभग 53 नॉटिकल मील दक्षिण में मिला। यह घटना मंगलवार शाम को हुई जब विमान ने शारजाह से उड़ान भरी थी। हादसे से ठीक पहले विमान के पायलटों ने नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी थी। रडार डेटा से पता चलता है कि विमान ने अपनी दिशा में अचानक एक बड़ा बदलाव किया और फिर तेजी से नीचे की ओर गिरने लगा। स्थानीय समयानुसार मंगलवार रात लगभग 9ः21 बजे, कराची से लगभग 155 नॉटिकल मील पश्चिम में, विमान का रेडियो और रडार से संपर्क पूरी तरह से टूट गया था। इस गंभीर दुर्घटना की सूचना मिलते ही पाकिस्तान नेवी, एयरफोर्स और विभिन्न नागरिक बचाव एजेंसियों ने मिलकर बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है। अरब सागर में चलाए जा रहे इस अभियान में पाकिस्तान नेवी के युद्धपोत पीएनएस जुल्फिकार, नेवल सर्विलांस एयरक्राफ्ट, पाकिस्तान एयरफोर्स के विमानों के साथ-साथ कई मर्चेंट जहाजों को भी तैनात किया गया है, ताकि लापता क्रू सदस्यों का पता लगाया जा सके। के2 एयरवेज ने एक बयान जारी कर पुष्टि की है कि विमान में सवार सभी पांच क्रू सदस्यों - कैप्टन मुहम्मद रिजवान इदरिस, फर्स्ट ऑफिसर फैसल जतोई, फ्लाइट इंजीनियर मुहम्मद हामिद, फ्लाइट इंजीनियर मुहम्मद आरिफ सिद्दीकी और एयरक्राफ्ट लोडर मुहम्मद तौफीक खान - का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। एयरलाइन ने पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है और अपने साथियों की सुरक्षित वापसी के लिए निरंतर प्रार्थना करने की बात कही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और लापता क्रू मेंबर्स के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं जताई हैं।

देश में हर दिन औसतन 13 स्कूल बंद, मध्य प्रदेश में सबसे अधिक असर

यूडाइस प्लस की रिपोर्ट से हुए खुलासे से शिक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

नई दिल्ली।

देश में स्कूलों की संख्या लगातार घट रही है। शिक्षा मंत्रालय की यूडाइस प्लस (यूडीआईएसई+) 2025-26 रिपोर्ट के अनुसार बीते एक वर्ष में देशभर में 4,791 स्कूल बंद हो गए, यानी औसतन हर दिन 13 स्कूलों का संचालन बंद हो गया। वर्ष 2024-25 में देश में कुल 14,71,473 स्कूल थे, जो 2025-26 में घटकर 14,66,682 रह गए। सबसे अधिक 2,426 स्कूल मध्य प्रदेश में बंद हुए, जबकि तेलंगाना में 1,392, पश्चिम बंगाल में 568, आंध्र प्रदेश में 474, तमिलनाडु में 369, कर्नाटक में 281 और हिमाचल प्रदेश में 266 स्कूल बंद हुए। इस संबंध में शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है, कि कई राज्यों में छोटे स्कूलों का बड़े विद्यालयों में विलय किया जा रहा है, जिसके कारण स्कूलों की संख्या में कमी दर्ज की गई है। हालांकि कुछ राज्यों में नए स्कूल खुले हैं, लेकिन वहां भी छात्रों के नामांकन में गिरावट चिंता का विषय बनी हुई है। बिहार में 946 नए स्कूल जुड़े, इसके बावजूद छात्र नामांकन में 4.37 लाख की कमी दर्ज की गई। इसी तरह छत्तीसगढ़ में 234 और दिल्ली में 87 नए स्कूल बढ़े, लेकिन दोनों राज्यों में भी नामांकन घटा है। बिना एनरोलमेंट वाले स्कूल घटे ताजा रिपोर्ट में यह भी सामने आया, कि देश में पहली बार जीरो एनरोलमेंट यानी बिना छात्रों वाले स्कूलों की संख्या घटी है। ऐसे स्कूलों की संख्या 7,993 से घटकर 5,663 रह गई है। हालांकि इन स्कूलों में अब भी 20,667 शिक्षक कार्यरत हैं, जिससे संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर सवाल उठ रहे हैं। इन राज्यों में बिना छात्र वाले स्कूलों की संख्या बढ़ी पश्चिम बंगाल में स्थिति इसके विपरीत है।

पश्चिम बंगाल में चिट फंड धोखाधड़ी- ईडी की बड़ी कार्रवाई

-क्रिप्टो-शेयर बाजार कनेक्शन सामने

कोलकाता।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई क्रिप्टोकरेंसी निवेश, शेयर बाजार प्रशिक्षण योजनाओं और संदिग्ध धन शोधन से जुड़े बड़े चिट फंड धोखाधड़ी मामले की जारी जांच के तहत की गई।

छापेमारी पश्चिम बर्दवान के अंडाल में ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड (ईसीएल) के कर्मचारी दिलीप मलिक के आवास पर, हावड़ा में सौरव चटर्जी के घर और नदिया में कारोबारी शुभ्र कांति नाग उर्फ बाबाई नाग से जुड़े परिसरों पर हुई, जहाँ केंद्रीय बल भी तैनात थे।जानकारी के अनुसार, दिलीप और उनके बेटे दिगंत मलिक पर क्रिप्टोकरेंसी में निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी का आरोप है।

ऑस्ट्रेलिया में प्रधानमंत्री मोदी 'गार्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित

राष्ट्रगान से गूंजा मेलबर्न, पीएम एंथनी ने किया गर्मजोशी से स्वागत

मेलबर्न।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भव्य तरीके से औपचारिक स्वागत किया गया। गवर्नमेंट हाउस विक्टोरिया में आयोजित समारोह में उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' प्रदान किया गया। इस दौरान भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' गूंजा और ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। ऑस्ट्रेलियाई सेना की टुकड़ी ने उन्हें औपचारिक सलामी दी।

औपचारिक स्वागत समारोह के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से भी मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि स्कॉट मॉरिसन से मिलना हमेशा सुखद रहता है और दोनों नेताओं के बीच भारत-ऑस्ट्रेलिया मित्रता को और मजबूत बनाने पर सार्थक चर्चा हुई। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईओ फोरम में संयुक्त रूप से भाग लिया। दोनों नेताओं ने उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और व्यापार, निवेश तथा आर्थिक सहयोग को नई गति देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने फोरम में दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए भारत में निवेश के बढ़ते अवसरों की जानकारी दी।

सीईओ फोरम वर्ष 2012 से सक्रिय है और वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री मोदी तथा एंथनी अल्बनीज ने इसे पुनः शुरू किया था। यह मंच दोनों देशों की सरकारों को आर्थिक सहयोग, व्यापार और निवेश बढ़ाने के संबंध में सुझाव देता है तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को मजबूत करने के लिए वर्षभर गतिविधियां संचालित करता है।

अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज तीसरे वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। दोनों नेताओं के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, निवेश, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और क्षेत्रीय सहयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता होगी। प्रधानमंत्री मोदी ऑस्ट्रेलिया की गवर्नर-जनरल सैम मोस्टिन से भी मुलाकात करेंगे।

इससे पहले बुधवार देर रात मेलबर्न पहुंचने पर भारतीय समुदाय ने प्रधानमंत्री मोदी का जोरदार स्वागत किया। ठंडे मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय होटल के बाहर एकत्र हुए और 'भारत माता की जय' तथा 'मोदी-मोदी' के नारों के साथ उनका अभिनंदन किया। स्थानीय कलाकारों ने भारतीय संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां भी दीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय समुदाय के स्नेह और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि यह स्वागत उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा। साथ ही उन्होंने प्रवासी भारतीयों को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत होते संबंधों का महत्वपूर्ण सेतु बताया।

ईरान का डर कतर का जेट छोड़ पुराने एयरफोर्स वन से भागे ट्रंप !

ईरान के खौफ से ट्रंप ने बीच रास्ते में बदला विमान?

अंकारा।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आया है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की के अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन से वापसी के दौरान अपने विमान को बीच रास्ते में ही बदल लिया। उन्होंने कतर द्वारा उपहार में मिले नए बोइंग 747-8 जेट को छोड़कर अपने पुराने एयरफोर्स वन से उड़ान भरी। ब्रिटेन के आरएएफ मिल्डेनहॉल में एक संक्षिप्त ठहराव के बाद विमान बदलने के इस फैसले ने राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े किए। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए सैन्य संघर्ष के बाद, यूएस सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपति ट्रंप को विमान बदलने की सलाह दी थी। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम किसी विशेष खतरे की प्रतिक्रिया के बजाय, एहतियात के तौर पर उठाया गया था, क्योंकि कतर से मिले नए विमान में अभी तक वे सभी उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ स्थापित नहीं की गई थीं जो मौजूदा एयरफोर्स वन बेड़े में मौजूद हैं।

हालांकि, व्हाइट हाउस ने इन दावों को पूरी तरह से खारिज किया कि नया विमान असुरक्षित है। व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चेउंग ने स्पष्ट किया कि नया जेट उच्च-स्तरीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से लैस है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए ध्यान भटकाने और गुमराह करने समेत अपने हर उपलब्ध उपकरण का इस्तेमाल करता है।

बाबा बर्फानी हुए अंतर्ध्यान फिर भी 10 हजार श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में चल रही श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए भगवती नगर यात्री निवास से अब तक का सबसे बड़ा एकदिवसीय जत्था पवित्र गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 9,837 श्रद्धालुओं का सातवां जत्था 361 वाहनों के काफिले के साथ कश्मीर के पहलगाम और बालटाल आधार शिविरों के लिए रवाना किया गया। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।जानकारी के अनुसार, पारंपरिक पहलगाम मार्ग से 188 वाहनों में 5,337 श्रद्धालुओं को भेजा गया, जबकि छोटे बालटाल मार्ग से 173 वाहनों में 4,500 श्रद्धालु रवाना हुए। इस जत्थे में 6,684 पुरुष, 2,730 महिलाएं, 21 बच्चे, 320 साधु, 80 साध्वियां तथा दो ट्रांसजेंडर श्रद्धालु शामिल हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से भगवती नगर यात्री निवास परिसर में सुबह से ही धार्मिक उत्साह और आस्था का माहौल देखने को मिला। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं में बाबा बर्फानी के पवित्र दर्शन को लेकर विशेष उत्साह नजर आया।

यात्रा पर निकलने से पहले श्रद्धालुओं ने सुरक्षा जांच और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कीं। प्रशासन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य सेवाएं, यातायात प्रबंधन, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं।यात्रा मार्ग पर पुलिस, केंद्रीय अर्द्धसैनिक बल, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी लगातार तैनात हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं।

महिलाओं-बच्चों की डिजिटल सुरक्षा के लिए बनेगा ऑनलाइन मॉड्यूल, सिंहस्थ 2028 में, AI से मिलेंगे गुमशुदा बच्चे

भोपाल ।

मध्यप्रदेश में महिलाओं और बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, गूगल और अहान फाउंडेशन के सहयोग से नई पहल की जाएगी। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के शासकीय निवास पर आयोजित बैठक में महिलाओं, बच्चों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को साइबर अपराधों, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डीपफेक जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए विशेष ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने पर सहमति बनी।मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि विभाग प्रदेश की आधी से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इंटरनेट सुरक्षा के प्रति जागरूक करना नैतिक दायित्व है। उन्होंने तकनीक के सकारात्मक उपयोग के साथ विभाग और गूगल के बीच विस्तृत संयुक्त कार्ययोजना तैयार करने पर जोर

दिया।प्रस्तावित मॉड्यूल में कुपोषण निवारण के आधुनिक उपायों के साथ साइबर सुरक्षा के बुनियादी नियम शामिल होंगे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं ग्रामीण क्षेत्रों में माताओं और महिलाओं को ऑनलाइन फ्रॉड तथा डिजिटल जोखिमों से बचाव की जानकारी देंगी। साथ ही, तकनीक के माध्यम से सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाने की दिशा में भी कार्य होगा।बैठक में सिंहस्थ-2028 के दौरान गुमशुदा बच्चों को शीघ्र उनके परिजनों से मिलाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित ट्रैकिंग और मैपिंग प्रणाली विकसित करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। गूगल और अहान फाउंडेशन ने महाराष्ट्र में डिजिटल सुरक्षा अभियान के सफल अनुभव साझा करते हुए मध्यप्रदेश में भी बड़े स्तर पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने का भरोसा दिलाया।

एथेनाल मिश्रित पेट्रोल से वाहनों का माइलेज घटा

जनसंगठनों ने उपभोक्ताओं के हित में किया प्रदर्शन

जबलपुर।

एथेनाल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) से माइलेज 6 प्रतिशत तक घटने का असर यह हुआ कि उपभोक्ताओं को उनके वाहनों के लिए अतिरिक्त पेट्रोल खरीदना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है।उपभोक्ता मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि इस पेट्रोल के कारण जबलपुर शहर में दो पहिया वाहन में 40 कि.मी. की जगह 30 कि.मी. तथा कार में 15 कि.मी. की जगह 12-13 कि.मी. का माइलेज हो गया है। इस माइलेज से 50-75 कि.मी. तक वाहन चलाने हेतु दो पहिया वाहन में 1 लीटर तथा कार में 2 लीटर तक अतिरिक्त पेट्रोल लग रहा है। इससे उपभोक्ताओं पर 100 से 200 रू. तक अतिरिक्त बोझ पड़ा है।उन्होंने बताया कि एथेनाल में ऑक्सीजन रहता है तथा वह पेट्रोल की तुलना में अधिक आर्द्रता को शोषित करता है। इस कारण वाहन खराब होने की संभावनाएँ ज्यादा हैं।

मातृ-शिशु मृत्यु दर और एनीमिया नियंत्रण के लिए यूनीसेफ के साथ मिलकर काम करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में कमी, एनीमिया नियंत्रण और कुपोषण जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए यूनीसेफ इंडिया के साथ मिलकर कार्य करेगी। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वल्लभ भवन में यूनीसेफ इंडिया के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित संबंधित विभागों के समन्वय से व्यापक कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार जिला स्तर पर विशेषज्ञों की भर्ती, हीमोग्लोबिन जांच सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और उच्च जोखिम गर्भावस्था की समय पर पहचान के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने यूनीसेफ से मास्टर ट्रेनर्स के क्षमता विकास, सुरक्षित प्रसव, नवजात शिशु देखभाल और जन-जागरूकता अभियान के लिए तकनीकी सहयोग का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि जनभागीदारी और विभागीय समन्वय से एनीमिया, मातृ एवं शिशु मृत्यु तथा बाल विवाह जैसी समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।यूनीसेफ इंडिया के उप प्रतिनिधि (कार्यक्रम) जैस्पर मिलर ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने राज्य के 'सुमन रोडमैप' और मदर एंड न्यूबॉर्न चाइल्ड केयर यूनिट्स (एमएनसीयू) की स्थापना को महत्वपूर्ण पहल बताया। वहीं, यूनीसेफ की चीफ फील्ड सर्विसेज सुश्री सोलेदाद हेरेरो ने कुपोषण और बाल विवाह के परस्पर संबंधों

पर विशेष चर्चा करते हुए इन चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुफ्त दवा योजना पर संकट नहीं समाधान की जरूरत

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

जीवनरक्षक दवाओं की कमी गरीब मरीजों के लिए गंभीर चुनौती लेकिन समय रहते व्यवस्था सुधारकर सरकार भरोसा फिर मजबूत कर सकती है

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल केवल एक चिकित्सा संस्थान नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के लाखों मरीजों की उम्मीद का सबसे बड़ा केंद्र है। हर दिन हजारों मरीज दूर-दराज के गांवों और कस्बों से यहां इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि उन्हें बेहतर इलाज के साथ सरकार की निशुल्क दवा योजना का लाभ मिलेगा। लेकिन जब इलाज के बाद डॉक्टर की लिखी दवाएं अस्पताल के काउंटर पर उपलब्ध नहीं होतीं तो मरीज और उसके परिजनों की चिंता कई गुना बढ़ जाती है। हाल के दिनों में जीवनरक्षक दवाओं सहित बड़ी संख्या में दवाओं की अनुपलब्धता की खबरें सामने आई हैं। यह स्थिति निश्चित रूप से चिंता का विषय है और इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

गरीब और मध्यम वर्ग का बड़ा हिस्सा सरकारी अस्पतालों पर निर्भर रहता है। निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदना हर परिवार के लिए आसान नहीं होता। विशेष रूप से कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गंभीर बीमारियों के मरीजों के लिए नियमित दवाएं जीवन का आधार होती हैं। यदि ऐसी दवाएं समय पर नहीं मिलें तो बीमारी बढ़ सकती है और आर्थिक बोझ भी कई गुना बढ़ जाता है। यही कारण है कि निशुल्क दवा योजना को राजस्थान की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में गिना जाता है।

जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिन मरीजों को एक काउंटर से दूसरे काउंटर तक भेजा गया, कई दिनों बाद आने के लिए कहा गया या फिर बाहर से दवा खरीदने की सलाह दी गई, उनकी परेशानी को सहज रूप से समझा जा सकता है। जो मरीज सैकड़ों किलोमीटर दूर से किराया खर्च करके अस्पताल पहुंचता है, उसके लिए केवल दवा ही नहीं बल्कि दोबारा आने-जाने का खर्च भी बड़ी चुनौती बन जाता है। ऐसे मरीजों के सामने यह प्रश्न खड़ा हो जाता है कि वह इलाज कराए या परिवार का खर्च चलाए।

यह भी सच है कि यह समस्या केवल जयपुर तक सीमित नहीं दिखाई देती। प्रदेश के कई सरकारी अस्पतालों में समय-समय पर कुछ दवाओं की कमी की शिकायतें सामने आती रही हैं। कहीं सप्लाई में देरी होती है तो कहीं खरीद प्रक्रिया पूरी होने तक मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। इससे सरकार की अच्छी योजनाओं की छवि प्रभावित होती है। जनता यह नहीं देखती कि कमी किस स्तर पर हुई है। उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह होती है कि अस्पताल पहुंचने पर दवा मिलनी चाहिए।

हालांकि इस पूरे विषय को केवल आलोचना के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। राजस्थान सरकार ने पिछले कई वर्षों में चिकित्सा सुविधाओं का उल्लेखनीय विस्तार किया है। नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, जिला अस्पतालों का सुदृढ़ीकरण, मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना और निशुल्क जांच योजना जैसी पहल ने लाखों गरीब परिवारों को राहत दी है। यदि ये योजनाएं नहीं होतीं तो गरीब मरीजों का इलाज और भी कठिन हो जाता। इसलिए यह कहना उचित होगा कि योजना में कमी नहीं है बल्कि उसके क्रियान्वयन के कुछ हिस्सों में सुधार की आवश्यकता है।

अस्पताल प्रशासन का यह कहना भी महत्वपूर्ण है कि कुछ दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड से उपलब्ध नहीं हो पातीं तो स्थानीय स्तर पर खरीद की जाती है। कई बार आपूर्ति करने वाली कंपनियों की ओर से विलंब होने के कारण अस्थायी समस्या उत्पन्न हो जाती है। यदि वास्तव में ऐसा है तो इसका समाधान भी प्रशासनिक स्तर पर संभव है। दवाओं की उपलब्धता का नियमित आकलन, समय रहते नई खरीद प्रक्रिया और वैकल्पिक व्यवस्था से इस प्रकार की कठिनाइयों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

स्वास्थ्य व्यवस्था जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही अधिक होती हैं। राजस्थान जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोगों को निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। दवाओं की मांग लगातार बढ़ रही है और कई बार अनुमान से अधिक मरीज आने के कारण स्टॉक जल्दी समाप्त हो जाता है। इसलिए इस समस्या को केवल लापरवाही कह देना भी पूरी तस्वीर नहीं दर्शाता। आवश्यकता इस बात की है कि स्वास्थ्य विभाग, अस्पताल प्रशासन और दवा आपूर्ति एजेंसियां मिलकर ऐसी व्यवस्था विकसित करें जिससे आवश्यक दवाओं का भंडार हमेशा सुरक्षित रहे।

तकनीक का बेहतर उपयोग भी इस दिशा में बड़ा समाधान बन सकता है। यदि सभी सरकारी अस्पतालों में दवाओं का ऑनलाइन स्टॉक रियल टाइम अपडेट हो तो यह पहले ही पता चल जाएगा कि कौन सी दवा कितनी मात्रा में बची है और कब नई खेप की आवश्यकता होगी। इससे आपूर्ति में होने वाली देरी को काफी हद तक रोका जा सकता है। मरीजों को भी मोबाइल या हेल्पलाइन के माध्यम से यह जानकारी मिल सके कि संबंधित दवा किस अस्पताल में उपलब्ध है। इससे उन्हें अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

साथ ही अस्पतालों में मरीजों के साथ संवाद की व्यवस्था भी बेहतर होनी चाहिए। यदि किसी दवा की अस्थायी कमी है तो मरीज को स्पष्ट रूप से बताया जाए कि दवा कब तक उपलब्ध होगी या उसका सुरक्षित विकल्प क्या है। कई बार जानकारी के अभाव में मरीज अधिक परेशान हो जाता है। संवेदनशील व्यवहार और स्पष्ट सूचना भी आधी समस्या का समाधान कर देती है।

इस विषय में जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्हें केवल आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रहने के बजाय स्थानीय स्तर पर समस्याओं की जानकारी सरकार तक पहुंचानी चाहिए। जहां भी दवा की कमी हो, वहां तत्काल समाधान के लिए प्रयास होने चाहिए। स्वास्थ्य सेवा राजनीति का नहीं बल्कि मानवता का विषय है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

सरकार के सामने यह अवसर भी है कि वह इस घटना को एक चेतावनी के रूप में लेकर पूरे प्रदेश में दवा आपूर्ति व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करे। जिन अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की कमी है वहां तत्काल अतिरिक्त स्टॉक भेजा जाए। खरीद प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा तेज बनाया जाए। जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होती है, वहां जवाबदेही भी सुनिश्चित की जाए। इससे जनता का विश्वास और मजबूत होगा।

अंततः किसी भी कल्याणकारी सरकार की पहचान केवल योजनाएं बनाने से नहीं बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने से होती है। राजस्थान की निशुल्क दवा योजना लाखों लोगों के लिए वरदान रही है और इसे और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। यदि दवाओं की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित हो जाए तो गरीब मरीजों को न तो जेब से खर्च करना पड़ेगा और न ही इलाज अधूरा छोड़ने की मजबूरी होगी।

सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में अनेक सकारात्मक कदम उठाए हैं और उनका लाभ भी समाज को मिला है। अब आवश्यकता इस बात की है कि दवा आपूर्ति से जुड़ी कमियों को शीघ्र दूर किया जाए ताकि कोई भी मरीज केवल दवा की अनुपलब्धता के कारण पीड़ा न झेले। एक संवेदनशील और उत्तरदायी स्वास्थ्य व्यवस्था ही विकसित राजस्थान की पहचान बनेगी, जहां इलाज के साथ भरोसा भी हर मरीज को समान रूप से प्राप्त हो।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

गैंगवार पर वार

अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई व गोल्डी बराड़ के खिलाफ कई देशों में कार्रवाई करते हुए दो दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने और नशीले पदार्थ व हथियार बरामद करने का दावा किया है। इतना ही नहीं कई अपराधों में वांछित गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर भी एफबीआई ने पचास हजार डॉलर का इनाम घोषित किया है। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का दावा है कि इन गैंगों के गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई में एफबीआई, लॉस एंजिल्स पुलिस, रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस तथा अमेरिकी कस्टम्स एंड बॉर्डर अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अमेरिका की यह ताबड़-तोड़ कार्रवाई कनाडा सरकार की उस घोषणा के तुरंत बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि कनाडा के निज्जर हत्याकांड में भारत की कोई भूमिका नहीं थी। उल्लेखनीय है कि बहुचर्चित निज्जर हत्याकांड को लेकर पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार ने भारत सरकार के एक अधिकारी पर संलिप्तता के आरोप लगाए थे। जिसके चलते भारत व कनाडा के रिश्ते सबसे निचले स्तर तक जा पहुंचे थे। लेकिन नई सरकार ने ट्रूडो की थ्योरी को नकार दिया था। जिसके बाद ही अमेरिका की यह तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। कनाडा पुलिस के सूत्रों के अनुसार अमेरिका लारेंस बिश्नोई के प्रत्यारोपण की मांग करेगा। फिलहाल बिश्नोई गुजरात की एक जेल में 2015 से बंद है। बहरहाल, अमेरिकी एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'हॉर्ड बॉल ऑपरेशन' में जिन 24 लोगों की गिरफ्तारियां हुई हैं, उन पर भारत से जुड़े संगठित अपराधी गुटों से संबंध होने का आरोप लगाया है। लॉरेंस और गोल्डी बराड को कई मामलों में आरोपी बनाया गया है, जिसमें साल 2023 में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश में शामिल होना भी है। बाकायदा अमेरिका ने बिश्नोई को निज्जर हत्याकांड में आरोपी बनाया है। उधर लॉस एंजिल्स के संघीय अभियोजकों का दावा है कि ये गिरफ्तारियां कई साल तक चली जांच का नतीजा हैं, जो भारतीय अपराधी गिरोहों पर केंद्रित रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों में 37 अभियुक्तों पर आरोप लगाए गये हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि अमेरिका की नीतियां अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका पर ही खत्म हो जाती हैं। ऐसे में भारतीय गैंगस्टरों पर की जा रही ताबड़-तोड़ कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। निस्संदेह, गैंगवार पर अंकुश लगना चाहिए, लेकिन सवाल इस कार्रवाई की टाइमिंग को लेकर है। इससे ठीक पहले कनाडा सरकार ने निज्जर हत्याकांड में भारत की किसी भूमिका को खारिज किया था। अमेरिका का आकलन है कि राष्ट्रवाद के नाम पर कुछ गैंगस्टरो को राजाश्रय हासिल है। आरोपपत्र में यह भी दावा किया गया है कि बिश्नोई ने खुद की छवि एक 'देशभक्त', 'राष्ट्रवादी' और 'धार्मिक' व्यक्ति के रूप में बनाई है। कयास हैं कि इसके जरिये भारत सरकार को घेरने की कोशिश जा रही है। कुछ विदेश नीति के जानकार मानते हैं कि भारत के ब्रिक्स व रूस-चीन वाले ध्रुव की ओर झुकाव के चलते दबाव बनाने हेतु इस मुद्दे को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर सहमति न बन पाने से अमेरिका क्षुब्ध है। जिसके लिये दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। सर्वविदित है कि दुनिया भर में सत्ताएं बनाने व सरकार गिराने के खेल में अमेरिका किस हद तक जाता है। उसे पूरी दुनिया में सत्ता की शतरंज खेलने में 'डीप स्टेट' के इस्तेमाल का जनक माना जाता है। सवाल है कि भारतीय संसद व मुंबई पर हुए भीषण आतंकवादी हमलों में शामिल पाक आतंकवादियों व मास्टर माइंडों पर क्या ऐसे कार्रवाई हुई है? जबकि कई मास्टरमाइंड अमेरिका में रह रहे थे? क्या ऐसी कार्रवाई पाक सरकार समर्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के खिलाफ हुई, जब पहलगाम की बैसरन घाटी में बेकसूर 26 भारतीय पर्यटकों की हत्या उनका धर्म पूछकर की गई थी? निस्संदेह, हत्या-फिरौती और नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी गैंग को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ये देश की संप्रभु सरकार का भी प्राथमिक कर्तव्य है। फिलहाल लॉरेंस बिश्नोई 2015 से भारतीय जेल में है और उसके खिलाफ देश में कई केस चल रहे हैं। वहीं गोल्डी बराड़ देश से फरार है। विसंगति देखिए कि अमेरिकी आरोप पत्र में नाबालिगों की भर्ती, गुर्गों का नेटवर्क चलाने के साथ देशभक्त इमेज के आरोप भी शामिल हैं।

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है।

इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है-'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है।

आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता।

यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है।

भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है।

प्रार्थना की पुकार

यदि प्रार्थना सच्ची हो तो परमपिता परमेश्वर उस प्रार्थना को जरूर ही सुनते हैं। परमपिता परमेश्वर अत्यंत कृपालु और दयालु हैं, परंतु प्रार्थना के लिए भी हृदय का पवित्र और निर्मल होना अत्यंत आवश्यक है। मन का पवित्र होना, अहंकार और अभिमान से रहित होना नितांत आवश्यक है। ऐसे पवित्र-हृदय-अंतः करण से उत्पन्न हुए भाव ही प्रार्थना हैं। हृदय की पवित्रता का अर्थ है अपने आपको सांसारिक तुच्छ विषय-वासनाओं की आसक्तियों से मुक्त कर लेना। सब तरह की आसक्ति से रहित होना ही हृदय की पवित्रता है। किसी तपस्वी ने ठीक ही कहा है- सच्चे-वास्तविक जीवन को पाने की आकांक्षा उत्पन्न होना ही प्रार्थना है। हमारे भीतर हृदय में जिसकी खोज होगी, भीतर जिस चीज को पाने की प्यास होगी- तो, ही हम उस दिशा में जा सकेंगे। प्रार्थना होती है आत्म बोध से। आत्मबोध में ही परमार्थ की प्यास जगती है और तुच्छ स्वार्थी का परित्याग होता है।

प्रार्थना है- परिपूर्ण समर्पण, अपने अहंकार के बोझ को अपने सिर से उतार फेंकना और उसके पावन चरणों में अपना सिर झुका देना। जो प्रभु की कृपाएं और उनका अनुग्रह चाहता है उसे चाहिए कि वह किसी से भी किसी तरह का वैर-विरोध न करे। वह सत्य बोले, वह असत्य, छल-कपट, निंदा-चोरी आदि से हमेशा दूर रहे। अपनी इंद्रियों पर हमेशा संयम रखे, किसी भी प्रकार का लोलुप-लालची न हो। वह कभी अहंकार अभिमान न करे, शत्रु-द्वेष को छोडकर मन को शुद्ध पवित्र रखें। प्रार्थना की शक्ति बहुत ही अद्भुत है। वह भगवान को भक्त का उद्धार करने के लिए अवश्य ही बाध्य कर देती है, परंतु प्रार्थना सच्ची हो, हृदय से हो। भगवान ने प्रार्थना मीरा की सुनी, बुद्ध की सुनी, उन सबकी सुनी जिन्होंने परहित के लिए उन्हें याद किया। वह हर मानव मन में चल रहे भाव-कुभाव को अच्छी तरह से जानते हैं। अतः उसके समक्ष जब भी जाएं, शुद्ध भाव रखें।

विचार मंथन

अब यूजीसी नेट के पेपर लीक, अरबों रुपए का भ्रष्टाचार

(लेखक- सनत जैन)

पेपर लीक होने का मामला थम नहीं रहा है। एक के बाद एक पेपर लीक होते चले जा रहे हैं। सरकार हर बार बड़े-बड़े दावे करती है। हकीकत में पेपर इसके बाद भी लगातार लीक हो रहे हैं। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा नेट के पेपर लीक होने का मामला उजागर किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा है, सोशियोलॉजी का पेपर परीक्षा के पहले 2 लाख, 25 हजार में बेचा गया। इसके प्रमाण में राहुल गांधी ने हरियाणा के वकील दीपक धनखड़ की पीडीएफ फाइल अटैच की है। जिसमें पेपर लीक होने की जानकारी है। यह पेपर 2 लाख 25 हजार में परीक्षा के पहले बेचा गया। परीक्षा में वही पेपर आया। 6 जुलाई को ऑडियो संदेश के माध्यम से शिकायतकर्ता ने कहा पेपर लीक माफिया द्वारा वकील धनखड़ को जान से मारने की धमकी दी जा रही है। अभी तक उन्होंने पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराया है। उन्होंने सुरक्षा मांगी है।

राहुल गांधी ने अधिवक्ता दीपक द्वारा भेजी गई जानकारी को सार्वजनिक करते हुए सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफार्म पर लिखा है, पिछले सप्ताह हुई यूजीसी नेट परीक्षा के पेपर भी लीक हुए हैं। यह काफी चौंकाने वाली खबर है। राहुल गांधी ने जो फाइल अटैच की है। पीडीएफ की फाइल नेशनल टेस्ट एजेंसी के पास ही उपलब्ध होती है। इसमें प्रश्न पत्र सेटिंग की सारी जानकारी उपलब्ध है।

भारत में पेपर लीक एक ऐसा मामला बन गया है जो कैंसर बीमारी की तरह है। कैंसर रोकने के जितने प्रयास किए जाते हैं, वह उसी तेजी के साथ बढ़ना शुरू कर देता है।

यही हाल पेपर लीक मामले का है। इसको रोकने के बड़े-बड़े दावे केंद्र सरकार, राज्य सरकारों तथा परीक्षा लेने वाली एजेंसियों व संस्थाओं द्वारा किए जाते हैं। यह सब दावे हवा- हवाई साबित होते हैं। पिछले कुछ वर्षों से जो भी परीक्षाएं हो रही हैं। उन सभी के पेपर जानबूझकर लीक कराए जा रहे हैं। इन परीक्षाओं के माध्यम से अवैध रूप से लाखों रुपए परीक्षार्थियों से वसूल किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकार तथा परीक्षा एजेंसी के बीच एक अघोषित समझौता होता है, जिसके तहत परीक्षा किस तरह से करानी है, उसमें किस तरह से कमाई की जानी है।

परीक्षा शुल्क के नाम पर करोड़ों रुपए वसूल किए जाते हैं। जिनका बंटवारा भी परीक्षा लेने वाली एजेंसी और सरकार के प्रमुख पदों पर बैठे हुए लोगों के बीच में होती है। परीक्षाओं के माध्यम से अवैध रूप से पैसे लेकर अथवा विचारधारा के आधार पर चहेतों को परीक्षा के माध्यम से चयनित किया जाता है। इसको ध्यान में रखते हुए परीक्षा एजेंसी का चयन होता है। प्रश्न पत्रों को लीक करने से लेकर परीक्षा परिणाम तैयार करने व चयन एवं नियुक्ति तक में भारी गड़बड़ियां जानबूझकर की जा रही हैं। पेपर लीक रोक पाने के वास्तविक प्रयास नहीं किए जा रहे हैं, ऐसी स्थिति में पेपर लीक होने से कैसे रुकेंगे।

मात्र दो-तीन साल में सैकड़ो पेपर लीक हो चुके हैं। नीट यूजी परीक्षा में एडमिशन के लिए लाखों रुपए की वसूली की जाती है। उप्र की पुलिस भर्ती परीक्षा, महाराष्ट्र की शिक्षक पात्रता परीक्षा तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के सेकड़ों पेपर लीक हो चुके हैं। समय-समय पर खूब बवाल भी मचा। अभी छात्र जंतर मंतर में कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं प्रमुख समाज सेवी सोनम वांगचुक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। जब भी पेपर लीक होते हैं। युवाओं में गुस्सा होता है।

कुछ समय के बाद बात आई-गई खत्म हो जाती है। पेपर लीक होना कैसे बंद होंगे? जब पेपर कराने वाले ही पेपर लीक करा रहे हों। भारत की न्यायपालिका इस समय सरकार के दबाव में काम करते हुए दिखती है। सैकड़ो पेपर लीक होने के बाद भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान नहीं लेती है। जो मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं, उनकी सुनवाई फौरी तरीके से कर दी जाती है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पेपर लीक के मामले को रोक सकती हैं। जब कोर्ट की निगरानी में सारे मामले की जाँच निष्पक्ष एजेंसी से हो। जांच के पश्चात दोषियों को दंडित करने का काम अदालतें कर पाती। अभी तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है।

जिसमें परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वालों को न्यायपालिका द्वारा दंडित किया गया हो। जब तक परीक्षाओं से जुड़े राजनेता, अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं होगी, उन्हें दंडित नहीं किया जाएगा। तब तक पेपर लीक होने से रोक पाना भारत में संभव नहीं है। यही कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खाड़ी संकट गहराया, कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल

ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब, वैश्विक बाजारों पर भी असर

मुंबई ।

मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के चलते कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल देखने को मिल रहा है। 9 जुलाई को ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई हैं। बाजार पर अमेरिका द्वारा ईरान पर नए सैन्य हमलों की चेतावनी और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए तेल टैंकरों पर हमलों का सीधा असर दिखाई दे रहा है। निवेशकों को आशंका है कि अगर हालात और बिगड़े, तो वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतें और तेजी से बढ़ेंगी। इस बढ़ते तनाव का असर केवल कच्चे तेल तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। हालांकि, कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि फिलहाल कच्चे तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी। उनका कहना है कि वैश्विक तेल बाजार ने संकट के दौरान उम्मीद से बेहतर मजबूती दिखाई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शुरुआत में प्रतिदिन 2 करोड़ बैरल तेल की कमी का डर था, लेकिन वैकल्पिक सप्लाई रूट के कारण अब वास्तविक कमी लगभग 1.22 करोड़ बैरल प्रतिदिन रहने का अनुमान है।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का मेगा आईपीओ 14 जुलाई से खुलेगा

कंपनी ने तय किया प्राइस बैंड, एसबीआई और एमुंदी बेचेंगे हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट (एसबीआई एफएम) अपना बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लेकर आ रही है। कंपनी ने इसके लिए प्राइस बैंड और अन्य महत्वपूर्ण तारीखों की घोषणा कर दी है, साथ ही रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) पास अपना रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) भी दाखिल कर दिया है। यह आईपीओ 14 जुलाई से निवेशकों के लिए खुलेगा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी है कि उसकी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अपना आईपीओ ला रही है। कंपनी ने अपने आईपी ओ के लिए प्रति शेयर 545 से 574 रुपये का प्राइस बैंड निर्धारित किया है। खास बात यह है कि कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति शेयर 54 रुपये का विशेष डिस्काउंट भी प्रदान करेगी। निवेशकों को न्यूनतम 26 शेयरों के लिए बोली लगानी होगी, जिसके बाद वे 26 के गुणकों में आवेदन कर सकेंगे। यह आईपी ओ निवेशकों के लिए 14 जुलाई, मंगलवार को खुलेगा और 16 जुलाई, गुरुवार को बंद होगा। एंकर निवेशक 13 जुलाई को, यानी इश्यू खुलने से एक दिन पहले ही बोली लगा सकेंगे। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईपी) के लिए बोली लगाने की अंतिम तारीख भी 16 जुलाई ही रहेगी। कंपनी ने पहले की एक सूचना में क्यूआईपी के लिए 15 जुलाई की तारीख का उल्लेख किया था, जिसे अब सुधार कर 16 जुलाई कर दिया गया है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है, जिसका अर्थ है कि कंपनी को इस इश्यू से कोई पूंजी नहीं मिलेगी।

टीसीएस नतीजों से पहले आईटी शेयरों में गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को आईटी सेक्टर की शुरुआत कमजोर रही। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के जून तिमाही के नतीजे घोषित होने से पहले निवेशकों ने आईटी शेयरों में मुनाफावसूली की। इसके चलते निफ्टी आईटी सूचकांक सुबह के कारोबार में करीब 1 फीसदी गिर गया, जो 27,311.30 अंक पर कारोबार करता दिखा। प्रमुख आईटी शेयरों में गिरावट देखी गई, जिसमें इंफो सिस का शेयर करीब 1.78 फीसदी और खुद टीसीएस का शेयर 1.04 फीसदी टूटा। एचसीएल टेक में भी 0.81 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। बाजार की नजर पूरी तरह टीसीएस के नतीजों पर टिकी है, जो कारोबार बंद होने के बाद जारी होंगे। इन्हीं नतीजों से पूरे सेक्टर के आउटलुक का अंदाजा लगाया जाता है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि टीसीएस के लिए जून तिमाही बहुत मजबूत नहीं रहने वाली है। आय में मामूली बढ़ोतरी या स्थिरता और कर्मचारियों की वेतन वृद्धि व कमजोर आईटी खर्च से मुनाफे के मार्जिन पर दबाव रह सकता है। जेएम फायनें सियल ने पश्चिम एशिया में तनाव और एआई से बढ़ते प्राइसिंग प्रेशर को देखते हुए वित्त वर्ष 2027 की धीमी शुरुआत की आशंका जताई है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 95.50 पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.52 पर आ गया।

पश्चिम एशिया में फिर से तनाव उत्पन्न होने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल से वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई और वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितताओं की आशंका बढ़ गई। हालांकि, घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख ने रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.52 प्रति डॉलर पर खुला जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट है।

रुपया बुधवार को 52 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.48 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी की गिरावट के साथ 100.98 पर रहा।

अदाणी अमेरिकी कोर्ट में दाखिल करेंगे हलफनामा

आरोपों की वापसी पर देनी होगी जानकारी

नई दिल्ली।

उद्योगपति गौतम अदाणी इस सप्ताह अमेरिकी अदालत में एक महत्वपूर्ण हलफनामा दाखिल कर सकते हैं। यह कदम अदालत के उस निर्देश के बाद उठाया जा रहा है, जिसमें उन्हें अभियोग वापस लेने से जुड़े किसी संभावित समझौते, प्रस्ताव या लाभ की जानकारी का खुलासा करने को कहा गया है। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने पहले कहा था कि उसने प्रतिभूति मामले को कानूनी आधार न होने के कारण वापस ले लिया था।

न्याय मंत्रालय के अधिकारी मैककॉट्टर ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया था जिनमें आरोप वापस लेने के बदले अमेरिका में निवेश की बात कही गई थी। हालांकि, न्यायाधीश ने सरकार के इस पक्ष पर संदेह व्यक्त किया और आशंका जताई कि किसी प्रकार की अघोषित सहमति या व्यवस्था रही हो सकती है। अदालत ने अदाणी को 15 जुलाई तक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

फोर्ड ने कोयंबतूर में खोला तीसरा वैश्विक केंद्र, भारत में तकनीक और डेटा पर जोर

600 से अधिक कर्मचारियों के साथ यह कार्यालय वैश्विक परिचालन मजबूत करेगा

नई दिल्ली ।

अमेरिका की फोर्ड मोटर कंपनी की सहायक इकाई फोर्ड बिजनेस सॉल्यूशंस (एफबीएस) ने भारत में अपने तीसरे वैश्विक क्षमता केंद्र का कोयंबतूर में उद्घाटन किया है। यह नया केंद्र फोर्ड के वैश्विक परिचालन को मजबूत करेगा और चेन्नई स्थित एफबीएस केंद्र के लिए एक समर्पित बिजनेस कंटिन्यूटी केंद्र (बीसीसी) के तौर पर काम करेगा, जो वैश्विक लेखांकन, क्रेडिट और कारोबारी परिचालन टीमों को सेवाएं देगा। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, भविष्य में भारत में फोर्ड की लगभग 50 फीसदी वृद्धि तकनीक, डेटा साइंस और डेटा एनालिटिक्स के क्षेत्रों से आएगी। कोयंबतूर केंद्र में शुरुआती चरण में 600 से अधिक कर्मचारियों सहित करीब 800 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। यह एसवीबी टेक पार्क में 82,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में तीन मंजिलों में फैला है। एफबीएस इंडिया की प्रमुख और प्रबंध निदेशक गंगाप्रिया चक्रवर्ती ने कहा, यह केंद्र हमारी बिजनेस कंटिन्यूटी रणनीति का अहम हिस्सा है, जो मौसम या अन्य कारणों से चेन्नई के कामकाज प्रभावित होने पर भी वैश्विक बाजारों को निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करेगा। अगस्त 2022 में फोर्ड द्वारा भारत में अपने विनिर्माण संयंत्र बंद करने के बावजूद, एफबीएस इंडिया में फिलहाल 12,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। चेन्नई का ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सेंटर फोर्ड के वैश्विक सफल मॉडलों के डिजाइन व विकास में महत्वपूर्ण रहा है, जबकि बेंगलुरु में भी एक तकनीकी इनक्यूबेशन सेंटर है। कोयंबतूर कार्यालय को सहयोगात्मक और हाइब्रिड कार्य प्रणाली के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें 230 से अधिक वर्कस्टेशन, मीटिंग रूम और फोकस रूम जैसी आधुनिक सुविधाएं हैं।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 238, निफ्टी 81 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनियां भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज जहां प्रमुख सूचकांक हरे निशान पर खुले और पूरे दिन मजबूत बने रहे। हालांकि, कारोबारी सत्र के अंतिम पलों में थोड़ी बिकवाली देखने को मिली पर इसके बाद भी बाजार ने अपनी तेजी बरकरार रखी। दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 238 अंक उछलकर 76,741 के स्तर पर बंद हुआबंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 81 अंकों की मजबूती के साथ ही 23,962 के स्तर पर बंद हुआ, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल बना रहा। यह प्रदर्शन वैश्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित संकेतों के बावजूद भारतीय बाजार की आंतरिक मजबूती को दर्शाता है।

यह तेजी केवल मुख्य सूचकांकों तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी जबरदस्त उछाल रहा। , जिसने बाजार की सकारात्मक भावना को और मजबूत किया। निवेशकों ने छोटे और मझोले आकार की कंपनियों में खासा उत्साह दिखाय। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में प्रभावशाली 1.80 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 ने भी 1.38 फीसदी की शानदार रैली दिखाई। यह व्यापक बाजार में आत्मविश्वास बढ़ने और निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता में वृद्धि का संकेत है।

निफ्टी 50 के भीतर, कुछ कंपनियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और बाजार को ऊपर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनमें सन फार्मा सबसे आगे रहा, जिसने 2.68 फीसदी की बढ़त हासिल की। इसके बाद, भारती एयरटेल में 2.28 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 2.17 फीसदी और इंटरग्लोब में 2.06 फीसदी की शानदार तेजी दर्ज की गई।

हालांकि, बाजार की इस समग्र तेजी के बीच, कुछ शेयरों को नुकसान भी उठाना पड़ा। निफ्टी 50 की कंपनियों में डॉ रेड्डीज सबसे अधिक प्रभावित हुआ, जिसमें 5.90 फीसदी की बड़ी गिरावट देखी गई। इसके बाद, इंफोसिस में 1.74 फीसदी , मारुति सुजुकी में 1.60 फीसदी , एनटीपीसी में 1.44 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई, जिसने बाजार के कुछ क्षेत्रों पर दबाव बनाया। इससे पहले आज सुबह के शुरुआती कारोबार में निफ्टी 50 भी 111.35 अंकों की बढ़त के साथ ही 23,993.40 के स्तर पर पहुंचा, जो जल्द ही 24,000 के मनोवैज्ञानिक आंकड़े के करीब पहुंच गया। वहीं सेंसेक्स भी 342 अंक बढ़कर 76,845.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सरकार ने किया काम, अब उद्योग की बारी, सीईए का एआई चुनौती पर जोर

एआई से निपटने को कौशल और नवाचार में निवेश जरूरी

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने गुरुवार को उद्योगों से कृत्रिम मेधा (एआई) से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए कौशल विकास, क्षमता निर्माण और नवाचार में निवेश करने का आग्रह किया। सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने बजट में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को समर्थन देकर अपना काम कर दिया है, अब उद्योग की बारी है। नागेश्वरन ने बताया कि केंद्रीय बजट में जीसीसी के लिए ट्रांसफर प्राइसिंग सेफ हार्बर व्यवस्था को सरल बनाकर और छोटे शहरों तक विस्तार को प्रोत्साहित कर सरकार ने उद्योग की लंबे समय से लंबित मांग पूरी की है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि एआई ने पुराने कारोबारी मॉडल को चुनौती दी है, जिससे नियमित और दोहराए जाने वाले कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने आगाह किया कि केवल कम लागत पर आधारित मॉडल जोखिम में हैं, और उद्योगों को लागत-आधारित मॉडल से क्षमता-आधारित मॉडल तथा निष्पादन से नवाचार की ओर बढ़ना होगा। सीईए ने उद्योगों से क्षमता निर्माण और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार रनवे तैयार कर सकती है, लेकिन विमान नहीं उड़ा सकती। उन्होंने चेतावनी दी कि सफलता से आत्मसंतोष नहीं होना चाहिए, क्योंकि प्रतिस्पर्धी देश अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं, लागत बढ़ रही है और कुशल प्रतिभा की

उपलब्धता लगातार चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। भारत की दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त इसी पर निर्भर करेगी कि वह एआई के लिए स्वयं को कितना तैयार करता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को मिलेगी गति, प्रमुख कलपुर्जों पर सीमा शुल्क समाप्त

केंद्र सरकार ने डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल जैसे सामानों पर बीसीडी हटाई

नई दिल्ली ।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने गुरुवार को सरकार के उस महत्वपूर्ण फैसले का स्वागत किया, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में उपयोग होने वाले प्रमुख कलपुर्जों पर बुनियादी सीमा शुल्क (बीसीडी) को समाप्त कर दिया गया है। कृष्णन ने इस कदम को देश की मूल्य श्रृंखला को और मजबूत बनाने तथा घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा उद्योग को बढ़ावा देने वाला महत्वपूर्ण बदलाव करार दिया। एक कार्यक्रम से इतर बातचीत में सचिव कृष्णन ने बताया कि यह निर्णय उद्योग जगत की ओर से लगातार किए गए अनुरोधों का परिणाम है। वित्त मंत्रालय के समक्ष मामला उठाने के बाद अब इस संबंध में अधिसूचनाएं जारी हो चुकी हैं। उनका मानना है कि यह पहल विशेष रूप से देश के इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा उद्योग के लिए एक बड़ी राहत और प्रोत्साहन होगी।

सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के व्यापक उद्देश्य से यह छूट प्रदान की है। इसके तहत डिस्प्ले असेंबली, लिथियम-आयन सेल और इंडक्टर कॉयल मॉड्यूल जैसे प्रमुख कलपुर्जों के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले सामान पर बुनियादी सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है।

खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ेंगीं रसोई बजट पर दोहरी मार

महंगे आयात और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट से फिलहाल राहत की उम्मीद कम

मुंबई ।

आयातित खाद्य तेलों की लगातार बढ़ती कीमतें और कमजोर मानसून के कारण घरेलू तिलहन उत्पादन पर मंडराते खतरे के चलते आने वाले महीनों में रसोई का बजट और बढ़ सकता है। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में महंगी खरीद और घरेलू उत्पादन में संभावित गिरावट के कारण उपभोक्ताओं को तत्काल राहत की संभावना नहीं है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार सरसों, सोयाबीन और पाम तेल की औसत खुदरा कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 10-12 प्रतिशत अधिक हैं। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन के मुताबिक बढ़ती परिवहन लागत, कमजोर रुपया और प्रमुख उत्पादक देशों द्वारा खाद्य तेल का बायोडीजल में बढ़ता उपयोग आयात लागत को बढ़ा रहा है। इंडोनेशिया का नया बी50 बायोडीजल कार्यक्रम वैश्विक बाजार में पाम तेल की उपलब्धता को और कम करेगा, जिससे कीमतें और बढ़ सकती हैं। वहीं इस वर्ष कमजोर और असमान

मानसून का असर घरेलू तिलहन उत्पादन, विशेषकर सोयाबीन और मूंगफली पर पड़ने की आशंका है। गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में बुवाई का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में काफी पीछे चल रहा है। इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि इन चुनौतियों के कारण भारत की खाद्य तेल आयात पर निर्भरता और बढ़ेगी, जो वर्ष 2025-26 तक 16.8 मिलियन टन तक पहुंचने का अनुमान है।

देश के आठ शहरों में प्रीमियम घरों का दबदबा किफायती खंड पिछड़ा

जनवरी-जून 2026 में 8 शहरों में कुल बिक्री मामूली बढ़कर 1.71 लाख इकाई

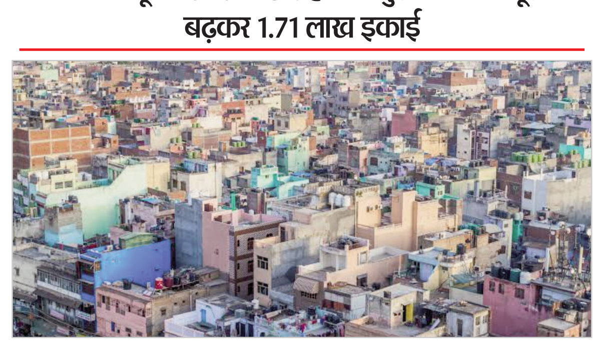

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी नाइट फ्रैंक इंडिया की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-जून 2026 की अवधि में आवासीय बिक्री में 0.7 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज की गई, जो 1.71 लाख इकाई तक पहुंच गई। इस अवधि में प्रीमियम मकानों की मांग में उल्लेखनीय उछाल देखा गया, जिनकी कुल बिक्री में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली हिस्सेदारी रही। नाइट फ्रैंक इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक कुल बिक्री 1,71,471 इकाई रही, जो पिछले साल की 1,70,201 इकाई से मामूली अधिक है। इस वृद्धि में एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत वाले मकानों की मुख्य भूमिका रही। वहीं, किफायती (50 लाख रुपये से कम) मकानों की बिक्री 15 प्रतिशत घटकर 32,063 इकाई (कुल बिक्री का 19 फीसदी) रह गई, जबकि मध्यम आय वर्ग (50 लाख से 1 करोड़ रुपये) के मकानों की बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 46,490 इकाई (कुल बिक्री का 27 फीसदी) रही। आठ शहरों में से दिल्ली-एनसीआर को छोड़कर सभी जगह आवास बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई, जहां सालाना आधार पर सात प्रतिशत की गिरावट आई।

इस वर्ष की पहली छमाही में नए आवासों की पेशकश चार प्रतिशत बढ़कर 1,87,350 इकाई हो गई। नाइट फ्रैंक इंडिया ने कहा कि बाजार के बुनियादी कारक मजबूत हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू आय में वृद्धि, खरीदारों की बदलती आकांक्षाएं और गृह स्वामित्व में बढ़ता विश्वास प्रीमियम खंड को बल दे रहा है। शहरीकरण, बुनियादी ढांचा निवेश व स्थिर आर्थिक माहौल आवासीय बाजार को निरंतर सहारा दे रहे हैं।

तेल बाजार में विरोधाभास यूएस में कच्चे तेल का भंडार बढ़ा पर पेट्रोल-डीजल का घटा

पश्चिम एशिया में तनाव से कच्चे तेल में उछाल, डॉलर भी मजबूत

नई दिल्ली ।

अमेरिका के ऊर्जा बाजार से मिले नए आंकड़े मिले-जुले संकेत दे रहे हैं। जहां एक ओर कच्चे तेल का भंडार बढ़ा है, वहीं पेट्रोल और डीजल के स्टॉक में अप्रत्याशित गिरावट दर्ज की गई है। इसी बीच पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर दोनों को मजबूती दी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार 3 जुलाई को समाप्त सप्ताह में कच्चे तेल का भंडार 29.98 लाख बैरल बढ़कर 41.13 करोड़ बैरल हो गया, जो 10 हफ्तों की गिरावट के बाद पहली बार बढ़ा है। हालांकि, बाजार की उम्मीदों के विपरीत, पेट्रोल का भंडार 19.04 लाख बैरल घटकर 21.21 करोड़ बैरल और डीजल का स्टॉक 49.8 लाख बैरल घटकर 10.36 करोड़ बैरल पर आ गया। शुद्ध आयात में वृद्धि ने कच्चे तेल के भंडार को बढ़ाया। इन विरोधाभासी आंकड़ों के बावजूद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 1 फीसदी की तेजी देखी गई। ब्रेंट क्रूड 78.81 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74.26 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। यह तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव (अमेरिका-ईरान सैन्य कार्रवाई की पुष्टि), आपूर्ति अनिश्चितता और महंगाई की चिंताओं का परिणाम है। तनाव बढ़ने से डॉलर इंडेक्स भी 101 के करीब मजबूत हुआ है, क्योंकि निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर रुख कर रहे हैं।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक महंगाई की चिंताओं को बढ़ा रही हैं, जिससे अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरों में जल्द कटौती न करने का दबाव बढ़ा है। बाजार 2026 तक फेड की ओर से एक बार ब्याज दर बढ़ने की संभावना देख रहा है। निवेशक अब अमेरिका के बेरोजगारी दावों और हाउसिंग डेटा पर नजर बनाए हुए हैं।

एडीबी ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.6 प्रतिशत

मुद्रास्फीति भी बढ़ी फिर भी भारत सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण ऊर्जा कीमतों में संभावित उछाल को देखते हुए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को घटा दिया है। एडीबी ने गुरुवार को जारी अपनी एशियाई विकास परिदृश्य रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊर्जा की ऊंची कीमतों से वास्तविक आय पर पड़ने वाले दबाव के कारण यह संशोधन किया गया है। इसके विपरीत, वित्त वर्ष 2027-28 के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7.3 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। एडीबी ने 2026-27 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान भी बढ़ा दिया है, जो अप्रैल के 4.5 प्रतिशत से बढ़कर अब 5.2 प्रतिशत हो गया है। 2027-28 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान चार प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी पिछले महीने 2026-27 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अपना अनुमान 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत किया था। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो पहले के 6.5 प्रतिशत से कम है।

अपनी बायोपिक का पहला पोस्टर लॉन्च होने पर बोले गांगुली

'यह अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट'

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बुधवार को अपने 54वें जन्मदिन पर अपनी बायोपिक, 'दादाः द सौरव गांगुली स्टोरी' के फर्स्ट-लुक पोस्टर के लॉन्च को 'अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट' बताया। नेशनल अवॉर्ड विजेता एक्टर राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। पोस्टर लॉन्च के बाद अपने पहले रिएक्शन में गांगुली ने कहा कि इस मौके ने उनके जन्मदिन को और भी खास बना दिया। उन्होंने कहा, 'जन्मदिन हमेशा खास होते हैं और आज मेरी बायोपिक 'दादा - द सौरव गांगुली स्टोरी' का फर्स्ट लुक रिलीज होने से यह और भी यादगार बन गया है। यह सच में अब तक का सबसे अच्छा बर्थडे गिफ्ट है।' पूर्व कप्तान ने कहा कि फिल्म का यह पोस्टर उन्हें उनके क्रिकेट करियर के सबसे यादगार और अहम पलों में से एक की याद दिलाता है। उन्होंने राजकुमार राव पर भरोसा जताते हुए कहा कि अभिनेता ने उनके जीवन और संघर्ष को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ पर्दे पर उतारा है। उन्होंने कहा, 'यह पोस्टर मुझे मेरे क्रिकेट सफर के एक बेहद खास पल में वापस ले जाता है। राजकुमार ने इस किरदार को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ निभाया है। मुझे भरोसा है कि वह मेरी कहानी को दर्शकों तक बेहतरीन तरीके से पहुंचाएंगे। '

फिल्म के निर्माताओं को अपनी शुभकामनाएं देते हुए गांगुली ने उम्मीद जताई कि जब यह बायोपिक अगले साल सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक बड़ी

संख्या में इसे देखने आएंगे। उन्होंने कहा, 'मैं उन्हें और पूरी टीम को शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि फैंस 14 मई 2027 को बड़े पर्दे पर फिल्म का आनंद लेंगे। '

गांगुली के जन्मदिन के मौके पर जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट-लुक पोस्टर में अभिनेता राजकुमार राव भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे यादगार पलों में से एक को दोबारा जीवंत करते नजर आते हैं। पोस्टर में वह लॉर्ड्स की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े हैं, ठीक उसी अंदाज में जैसे सौरव गांगुली ने 2002 नेटवेस्ट ट्रॉफी फाइनल में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न मनाया था। पोस्टर की पृष्ठभूमि में लहराता विशाल तिरंगा इस ऐतिहासिक पल को और भी भव्य बना रहा है।

चित्रा के. सोमन

कड़ी मेहनत से बनाई पहचान

कॉमनवेल्थ गेम्स में जीता सिल्वर मेडल

ग्रांड प्रिक्स में भी लहराया परचम

नई दिल्ली । कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया। चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4×400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4×400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इसके बाद, साल 2007 में हुई एशियाई ग्रांड प्रिक्स में भी चित्रा का जलवा देखने को मिला। उन्होंने 400 मीटर की दौड़ में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। 400 मीटर की दौड़ को चित्रा ने 51.30 सेकंड में पूरा किया, जो उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी रहा। साल 2007 में चित्रा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए भारतीय सरकार द्वारा 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। चित्रा ने उस दौर में इस खेल में अपनी पहचान बनाई, जब काफी सीमित साधन हुआ करते थे। वह उन तमाम महिलाओं के लिए प्रेरणा बनीं, जो छोटे शहर से आकर अपने खेल के दम पर विश्व में पहचान बनाने की इच्छा रखती हैं।

आईसीसीटी-20 रैंकिंग

किशन शीर्ष पर बरकरार

जैकब बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं। टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे टीम घोषित

शुम्बा और न्यूमैन न्यामहुरी को मौका

हरारे। बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली 3 टी20 मैचों की घरेलू सीरीज के लिए जिम्बाब्वे क्रिकेट ने बुधवार को 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम की कमान सिकंदर रजा के हाथ में है। इस टीम में ज्यादातर वही खिलाड़ी हैं जो टी20 विश्व कप 2026 में जिम्बाब्वे को सुपर-8 तक पहुंचाने वाले कैंपेन का हिस्सा रहे थे। हरारे में चल रही वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद 15, 17 और 19 जुलाई को बुलावायो में 3 टी20 मैच खेले जाने हैं। टीम में दो

बदलाव हुए हैं। युवा तेज गेंदबाज न्यूमैन न्यामहुरी और बल्लेबाज मिल्टन शुम्बा को शामिल किया गया है। न्यामहुरी ने टी20 फॉर्मेट में अभी तक डेब्यू नहीं किया है। शुम्बा ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप के बाद पहली बार टी20 टीम में लौटे हैं। बल्लेबाज बेन कुरेन, जिन्हें इस साल की शुरुआत में ब्रेंडन टेलर की चोट के बाद टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया था, ने अपनी जगह बरकरार रखी है। ग्रेम क्रेमर बाएं हाथ में इंजरी की वजह से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे।

चयनकर्ता संयोजक डेविड मुटेंडेरा ने कहा कि टीम का चयन करते समय निरंतरता पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया गया था। उन्होंने कहा, 'टी20 विश्व कप ने दिखाया कि यह ग्रुप क्या करने में काबिल है, इसलिए निरंतरता हमारे लिए एक जरूरी बात थी। हम सुपर आठ तक पहुंचने वाली टीम के कोर को एक साथ रखना चाहते थे, साथ ही उन खिलाड़ियों के लिए भी जगह बनाना चाहते थे जिन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने लिए मौके बनाए हैं। यह सीरीज टीम को आगे बढ़ने का एक और मौका देती है क्योंकि हम आगे के बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे हैं।'

जिम्बाब्वे टीम

सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मडांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमानी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजराबानी, डियोन मायर्स, रिचर्ड नगारवा, न्यूमैन न्यामहुरी, मिल्टन शुम्बा।

लॉर्ड्स में महिलाओं का टेस्ट मैच एक शानदार मौका

इसका बेसब्री से इंतजार हैः भारतीय कोच मजूमदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच 10 जुलाई से लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इकलौता टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस खास मौके पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय हेड कोच अमोल मजूमदार ने बुधवार को कहा कि 'होम ऑफ क्रिकेट' में टेस्ट मैच खेलना किसी भी भारतीय क्रिकेटर का सबसे बड़ा सपना होता है। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में मजूमदार ने कहा, 'यह सोचकर ही हैरानी होती है कि लॉर्ड्स में यह पहला टेस्ट मैच (विमेंस) है। इसके बावजूद, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं। मैं इस आयोजन से जुड़े सभी लोगों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। यह एक शानदार मौका है और हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। किसी भी भारतीय क्रिकेटर के लिए टेस्ट मैच खेलना ही एक सपना होता है, फिर लॉर्ड्स में खेलने की बात ही अलग है। मुझे यकीन है कि इस मुकाबले में जो भी खिलाड़ी सफेद जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेंगे, उन्हें लॉर्ड्स में टेस्ट मैच खेलने पर गर्व होगा।' उन्होंने कहा, 'हमने ड्रेसिंग रूम में हमेशा यही बात कही है। पारंपरिक रूप से हमने टेस्ट मुकाबलों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले ही हर कोई लॉर्ड्स में होने वाले टेस्ट मैच के बारे में बात कर रहा था। अब वह समय आ गया है, इसलिए खिलाड़ी निश्चित रूप से इसे लेकर उत्साहित होंगे। '

भारत ने विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। लीग स्टेज से बाहर होने के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के विरुद्ध इस टेस्ट मैच में उतरेगी। मजूमदार ने स्वीकार किया है कि हालांकि प्रदर्शन 'मिला-जुला'

रहा, लेकिन टीम ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान सबसे लंबे फॉर्मेट पर लगा लिया है।

उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, यह मिला-जुला रहा है। हमें हार से उबरना था। हम निश्चित रूप से निराश थे। हमारा वर्ल्ड कप बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन इसके बावजूद, टीम का जज्बा सामने आना जरूरी था और हमें उस दौर से बाहर निकलकर जल्द ही टेस्ट मैच की तैयारी में जुटना था। मुझे लगता है कि हम ऐसा करने में कामयाब रहे हैं। हमने वर्म्सले क्रिकेट क्लब में तैयारी के पांच बहुत अच्छे दिन बिताए। यह एक खूबसूरत मैदान है और तैयारी के लिए एकदम सही जगह है और फिर यहां लॉर्ड्स में भी। हमारी तैयारी अच्छी रही है। '

टैमी ब्यूमोंट भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लेंगी संन्यास

लंदन। इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। टैमी भारत के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाले मुकाबले के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहेंगी। टैमी अपने 17 साल के शानदार करियर का अंत इस मशहूर मैदान पर टेस्ट मैच के साथ करेंगी, जिसकी शुरुआत 10 जुलाई से होगी। नवंबर 2009 में अपने अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत करने वालीं टैमी ने इंग्लैंड के लिए सभी फॉर्मेट में कुल 260 मैच खेले, जिसमें 7,325 रन बनाए। टैमी वनडे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक 12 शतक लगाने वाली महिला खिलाड़ी हैं, जो साल 2017 में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड की ऐतिहासिक महिला वनडे वर्ल्ड कप जीत की मुख्य सूत्रधार थीं। उस टूर्नामेंट में टैमी ने सर्वाधिक 410 रन बनाए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की तरफ से जारी एक बयान में टैमी ने कहा, 'करीब 17 साल तक इंग्लैंड के लिए खेलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है। जब छोटी उम्र में क्रिकेट खेलने का शौक जगा, तब मुझे शायद ही पता था कि इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलना भी एक विकल्प हो सकता है। यह सोचकर मुझे बहुत खुशी होती है कि कितनी लड़कियां और लड़के इससे प्रेरित हुए हैं। हम हमेशा अगली पीढ़ी के लिए इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहते थे, और अब मेरे लिए यह मौका आ गया है कि मैं इंग्लैंड के खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को यह जिम्मेदारी सौंप दूं। लॉर्ड्स में होने वाला यह टेस्ट मैच, जो लॉर्ड्स में महिलाओं का पहला टेस्ट है, मेरे करियर को अलविदा कहने का सबसे सही मौका है। मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरा करियर इतना शानदार होगा।'

35 वर्षीय टैमी इंग्लैंड की उन दो महिला खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने खेल के तीनों फॉर्मेट में शतक लगाया है। टैमी टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाली पहली इंग्लिश महिला खिलाड़ी हैं, जिन्होंने साल 2023 में विमेंस एशेज के दौरान ट्रेंट ब्रिज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 208 रन बनाए थे। टैमी ब्यूमोंट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वह घरेलू क्रिकेट में 'द ब्लेज' और 'द हंड्रेड' में 'बर्मिंघम फीनिक्स' के लिए खेलना जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखूंगी, लेकिन अपने शानदार सपोर्ट के लिए सभी फैंस का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं।

फीफा विश्व कपः मोरक्को को झटका

फॉरवर्ड सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से हुए बाहर

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं। मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा। मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, 'वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। '

सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक

शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।

फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है।

मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, 'हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं। हम यही चाहते हैं। हम इस तरह के मैचों के लिए अनुभवी रेफरी चाहते हैं। इसलिए हम बहुत शांत हैं। नीदरलैंड्स का सामना करने से पहले हमारे मैच में एक डच रेफरी था और उसने बहुत अच्छा काम किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन–बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).
कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन–सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन–बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम – अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग–सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन–डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन–डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह–क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप– विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन–डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन–डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम – कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप–2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप–2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप–2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8–10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण – हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना. डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.

कारण – आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण – घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.

कारण – ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.

इलाज – थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाराष्ट्र में दोहरी मार : झमाझम बारिश के बीच लगे भूकंप के 4 झटके

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच बीते गुरुवार को मराठवाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों में भूकंप के चार हल्के झटके महसूस किए गए, जिसने आधी रात को धरती को कंपा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि ये झटके रात 1.37 बजे से 3.23 बजे के बीच आए और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 3.6 से 4.6 के बीच मापी गई। जिला आपातकालीन केंद्र को रात 01:37, 02:15, 02:17 और 03:23 बजे इन झटकों की सूचना मिली। पहले झटके की तीव्रता 4.6, दूसरे की 3.6, तीसरे की 3.9 और चौथे की 4.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में शिरली गांव में स्थित था। राहत की बात यह रही कि जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली, जबकि इन झटकों के आने के समय ज्यादातर लोग अपने घरों में सो रहे थे। हिंगोली, नांदेड़ और परभणी के कई निवासियों ने इन तीव्र कंपनों को महसूस किया। पहले झटके का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तालुका में पांगरा शिंदे गांव के दक्षिण में शिरली गांव के पास था, जिसकी गहराई 10 किलोमीटर दर्ज की गई। बाद के दो झटकों के केंद्र पांगरा शिंदे गांव के उत्तर-पश्चिम में स्थित ककड़धाबा गांव के पास थे और वे भी 10 किलोमीटर की गहराई पर आए। पिछले छह वर्षों में, हिंगोली जिले के औंधा नागनाथ, कलमनुरी और वसमत तालुका में 37 से अधिक हल्के भूकंप दर्ज किए गए हैं, लेकिन एक ही रात में चार झटके आना यह पहली बार दर्ज किया गया मामला है, जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है। भूकंप मुख्य रूप से पृथ्वी की बाहरी परत में मौजूद टेक्टोनिक प्लेट्स के खिसकने या हिलने-डुलने से आते हैं। हमारी पृथ्वी की क्रस्ट कई विशाल प्लेट्स में विभाजित है जो मैग्मा की ऊपरी परत पर तैरती रहती हैं। ये प्लेटें लगातार धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर या पास आती रहती हैं। जब इन प्लेटों की सीमाओं पर घर्षण बहुत अधिक बढ़ जाता है और वे अचानक फिसलती हैं, तो भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है। इस ऊर्जा की लहरें पृथ्वी की सतह पर कंपन पैदा करती हैं, जिसे हम भूकंप के रूप में महसूस करते हैं। इसके अलावा, ज्वालामुखी गतिविधि, बड़े बांधों का निर्माण या खदानों में किए जाने वाले विस्फोट जैसी मानवीय गतिविधियां भी छोटे भूकंपों का कारण बन सकती हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल से मापी जाती है और यह एक प्राकृतिक आपदा है जो जान-माल की भारी क्षति कर सकती है, इसलिए भूकंप-प्रतिरोधी भवन निर्माण और पूर्व चेतावनी प्रणालियों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सीआरपीएफ जवान ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी, मौत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार को हुई। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश निवासी वाई. चंद्रा रेड्डी के रूप में हुई है। वह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले में सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन की एफ कंपनी में तैनात थे। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। साथ ही उसके सहकर्मियों और संबंधित अधिकारियों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

हापुड़ की फैक्ट्री में आग : एक मजदूर की दर्दनाक मौत

हापुड (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में धौलाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक गद्दा फैक्ट्री में आज सुबह तड़के लगी भीषण आग ने एक मजदूर की जान ले ली और एक अन्य को गंभीर रूप से झुलसा दिया। यह दर्दनाक घटना औद्योगिक सुरक्षा मानकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। आग इतनी विकराल थी कि कई मजदूर फैक्ट्री के अंदर फंस गए थे, जिससे स्थिति और भी भयावह हो गई थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय कुमार शर्मा के अनुसार, आज तड़के करीब 4 बजकर 13 मिनट पर फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। यह सूचना मिलते ही तत्काल यूपीएसआईडीसी चौकी पर तैनात वाटर बाउजर को घटनास्थल पर रवाना किया गया। आग की गंभीरता को देखते हुए, अग्निशमन केंद्र पिलखुआ से दो और हापुड़ से तीन वाटर टेंडर प्रभारी अग्निशमन अधिकारी के साथ घटनास्थल पर भेजे गए। रास्ते में ही, स्थिति की विकरालता को भांपते हुए, जनपद गाजियाबाद से भी दो अतिरिक्त वाटर बाउजर की मांग की गई और इसकी सूचना फायर सर्विस मुख्यालय को दी गई। दमकल की सभी टीमों ने मिलकर फैक्ट्री को चारों ओर से घेरकर एक संयुक्त अभियान चलाया और कड़ी मशक्कत के बाद कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया।

तेज रफ्तार कार लॉरी से टकराई, 7 की मौत, दो गंभीर रुप से घायल

-कार में नौ लोग सवार थे वे सभी चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गुरुवार तड़के एक कार और लॉरी की आमने-सामने की टक्कर होने से सात लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा एनएच-52 पर अराबैल घाट इलाके में बालागारा क्रॉस के पास रात करीब 1.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में हुबली रेफर कर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक एमयूवी में ड्राइवर समेत नौ लोग सवार थे और वे धारवाड़ से धर्मस्थल और चिकमगलूर की यात्रा पर जा रहे थे। जानकारी से पता चला है कि गाड़ी का ड्राइवर एक फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म के साथ पार्ट-टाइम डिलीवरी एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करता था। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर संजीव तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। वह सड़क के एकदम दाईं ओर चला गया और अंकोला की ओर से आ रही लॉरी से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मरने वाले सभी लोग धारवाड़ के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान ड्राइवर संजय अंगड़ी (33), बसवराज (48), अभिषेक ईश्वर (28), अक्षय (26), अभिषेक (26) और मंजूनाथ चुलाकी (32) में हुई है।

दिल्ली को दहलाने वाली साजिश का बड़ा खुलासा

बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और थाने समेत कई जगहों पर होने वाला था हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली को दहलाने की एक बड़ी आतंकी साजिश का दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने भंडाफोड़ किया है, जिसमें गिरफ्तार पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और उसके नेटवर्क से जुड़े छह संदिग्धों से पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, इन संदिग्धों के निशाने पर दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस, आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) और एक रेलवे स्टेशन जैसे महत्वपूर्ण स्थान थे। आरोपियों ने इन ठिकानों की बाकायदा रेकी की थी और इसके वीडियो भी उनके मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान में बैठे अपने हैंडलर को भेजा गया था।

स्पेशल सेल के अधिकारियों ने बताया कि अब तक की जांच में सामने आया है कि पकड़े गए संदिग्धों को पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर शहजाद भट्टी सीधे निर्देश दे रहा था। उसके निशाने पर केवल दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरा उत्तर भारत था, जिसमें कई बेहद महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले इलाके शामिल थे। भट्टी भारत में युवाओं को बरगलाने और अपने नेटवर्क में शामिल करने के लिए इंस्टा, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लेता था। दिल्ली पुलिस ने इस गैंग से जुड़े करीब दर्जन भर आतंकी गिरोहों का भंडाफोड़ करते हुए पिछले एक साल में 60 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और ऐसे 100 से अधिक संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स और चैनलों को चिह्नित करके बंद करा चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार आतंकियों ने दिल्ली की न्यू पुलिस लाइंस (सिविल लाइंस), आनंद विहार अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी), एक रेलवे स्टेशन और दिल्ली के कई बेहद व्यस्त बाजारों की पूरी जानकारी जुटाने के लिए विस्तृत रेकी की थी। इन संवेदनशील स्थानों के रेकी वीडियो आरोपियों के मोबाइल फोन से बरामद हुए हैं, जिन्हें पाकिस्तान स्थित अपने आकाओं को भेजा गया था। स्पेशल सेल के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी दानिश उर्फ चांद मियां को दिल्ली में रेकी करने और पेट्रोल बम से हमला करने का जिम्मा सौंपा गया था, जिसके लिए भट्टी ने उसे 20 हजार रुपये का लालच दिया था। वहीं, सलमान को पेट्रोल बम हमले का वीडियो रिकॉर्ड करने की जिम्मेदारी दी गई थी ताकि उसे दुष्प्रचार के लिए इस्तेमाल किया जा सके। गिरफ्तार आरोपियों और भट्टी के बीच हुई बातचीत के अंश भी सामने आए हैं, जिसमें भट्टी दानिश से मटेरियल (सामान) शाम को डिलीवर हो जाएगा, कलेक्ट कर लो और क्या पूरा सामान मिल गया? जैसे निर्देश देता है। जवाब में दानिश सबकुछ कलेक्ट कर लिया कहता है और फिर अगला टास्क क्या है? पूछता है, जिस पर भट्टी मटेरियल को पूरी सुरक्षा के साथ तैयार रखो और अगला हुक्म मिलने का इंतजार करो का आदेश देता है। स्पेशल सेल की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि ये छह आरोपी केवल शहजाद भट्टी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे 10 अन्य संदिग्धों के भी लगातार संपर्क में थे, जो भट्टी नेटवर्क के लिए ही काम करते हैं। पुलिस अब इन सभी विदेशी हैंडलर्स की भूमिका और भारत में उनके बाकी स्लीपर सेल्स की तलाश में गहन जांच कर रही है, ताकि इस पूरे आतंकी नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जा सके।

दिल्ली के रिज इलाके में सामान्य से दोगुनी बारिश, एक्युआई 10 महीने में सबसे शुद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून का आक्रामक रूप देखने को मिल रहा है। दिल्ली के रिज क्षेत्र में जुलाई के शुरुआती आठ दिनों में सामान्य से दोगुनी से भी ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इस मूसलाधार बारिश ने जहां एक तरफ दिल्लीवालों को भीषण जाम और जलभराव की मुसीबत में डाल दिया, वहीं दूसरी तरफ शहर की हवा को पिछले 10 महीनों में सबसे साफ और शुद्ध बना दिया है। भारी बारिश के कारण शहर की सड़कों पर जलभराव और जाम के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। आईएमडी के मुताबिक रिज मौसम केंद्र में 1 जुलाई से 8 जुलाई सुबह 8.30 बजे तक 79.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के लिए दीर्घकालिक औसत 31.2 मिमी है। बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति पैदा हो गई। रोहतक रोड पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं, जहां पंजाबी बाग और शादीपुर के बीच कई घंटों तक यातायात ठप रहा। कम दृश्यता और जलभराव के कारण रिंग रोड, आउटर रिंग रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर यात्रियों को देरी का सामना करना पड़ा। शहर का 24 घंटे का एक्यूआई 59 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में था। 4 सितंबर 2025 के बाद बुधवार को एक्यूआई सबसे कम रहा। उस दिन एक्यूआई 58 दर्ज किया गया था। सीपीसीबी के मुताबिक शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा' माना जाता है, जबकि 51 से 100 के बीच का एक्यूआई 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। आईएमडी ने गुरुवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है और आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 30 डिग्री सेल्सियस और 23 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं है गडकरी परिवार: नितिन गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत की एथनॉल नीति को लेकर जारी चर्चाओं के बीच अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने एथनॉल उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी और इससे जुड़े आर्थिक लाभों के आरोपों पर खुलकर जवाब दिया। एक हालिया साक्षात्कार में, गडकरी ने उन दावों को सिरे से खारिज किया कि वह एथनॉल नीति से कोई बड़ा आर्थिक फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि एथनॉल के उत्पादन में उनकी भागीदारी अत्यंत छोटी है, जो मात्र 0.07 प्रतिशत है। इतनी कम हिस्सेदारी के साथ किसी भी बड़े आर्थिक लाभ की बात को उन्होंने निराधार बताया और यह भी कहा कि 0.07 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला व्यक्ति देश की इतनी महत्वपूर्ण नीति को अपने निजी लाभ के लिए प्रभावित नहीं कर सकता।

मंत्री ने जोर देकर कहा कि वह हमेशा वैकल्पिक ईंधन के प्रबल समर्थक रहे हैं, न कि केवल एथनॉल के। उनके अनुसार, एथनॉल का व्यापक उपयोग किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी है। उन्होंने बताया कि एथनॉल नीति का निर्णय अकेले उनके द्वारा नहीं लिया गया है, बल्कि यह पेट्रोलियम मंत्रालय, कैबिनेट और गहन वैज्ञानिक अनुसंधान के बाद एक सामूहिक प्रक्रिया का परिणाम है। उन आरोपों का भी उन्होंने जवाब दिया जिनमें कहा गया था कि उनके परिवार के सदस्यों की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन में शामिल हैं और इसलिए वे एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रहे हैं। गडकरी ने स्पष्ट किया कि उनके परिवार की चीनी मिलें एथनॉल उत्पादन पर निर्भर नहीं हैं।उन्होंने यह भी बताया कि देश में एथनॉल की अधिकता के कारण मक्के से एथनॉल बनाने का कदम उठाया गया, जिससे उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हुई। गडकरी ने आंकड़े देते हुए बताया कि जब यह निर्णय लिया गया, तब मक्के की बाजार कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,800 रुपये प्रति क्विंटल था। इस नीति के परिणामस्वरूप, मक्के की कीमत बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई, जिससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिला। ई20 ईंधन के इस्तेमाल से वाहनों को नुकसान पहुंचने की अफवाहों पर भी गडकरी ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया था। उन्होंने चुनौती दी कि कोई भी एक ऐसी कार का नाम बताए जिसमें ई20 पेट्रोल के कारण कोई समस्या आई हो। उन्होंने आरोप लगाया कि एथनॉल-मिश्रित पेट्रोल को लेकर गलत बातें फैलाई जा रही हैं और यह एक पैसे से चलाया जा रहा अभियान है।

मणिपुर में नगा-कुकी संघर्ष ने बढ़ाई चिंता, पांच माह में 25 की मौत

असम राइफल्स पर हमले में शहीद जवानों को राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में मई 2023 से जारी मैतेई-कुकी जातीय हिंसा के बीच अब नगा और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। राज्य के उखरुल और आसपास के क्षेत्रों में इस वर्ष फरवरी से शुरू हुए ताजा संघर्ष में अब तक 25 लोगों की जान जा चुकी है। हाल के महीनों में हिंसा की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे राज्य में शांति बहाली की कोशिशों को झटका लगा है।

इस तनाव का असर सुरक्षा बलों पर भी पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को भारत-म्यांमार सीमा की निगरानी कर रहे असम राइफल्स के एक काफिले पर हमला किया गया, जिसमें उत्तराखंड के दो जवान शहीद हो गए। गुरुवार को इंफाल हवाई अड्डे पर दोनों शहीदों को पूरे राजकीय सम्मान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। इसके बाद दोनों जवानों के पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक गांव भेज दिए गए।

नगा समुदाय ने असम राइफल्स पर भारत-म्यांमार की लगभग 398 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की प्रभावी निगरानी नहीं कर पाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सीमा पार से सक्रिय सशस्त्र संगठन 'कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा)' के सदस्य म्यांमार से भारतीय सीमा में प्रवेश कर नगा बहुल गांवों पर हमले कर रहे हैं। नगा संगठनों का आरोप है कि सुरक्षा बलों का रवैया कुकी समुदाय के प्रति अपेक्षाकृत नरम रहा है, जिससे सीमा पार गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। नगा समुदाय में नाराजगी उस समय और बढ़ गई जब 10 जून को छह अगवा किए गए नगा लोगों के क्षत-विक्षत शव बरामद हुए।

इसके अलावा कामजोंग जिले में नगा गांवों में आगजनी की घटनाओं ने तनाव को और गहरा कर दिया। इन घटनाओं के बाद दोनों समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ा है और स्थानीय स्तर पर स्थिति लगातार संवेदनशील बनी हुई है। सुरक्षा एजेंसियां प्रभावित इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात कर हालात पर नजर रखे हुए हैं। प्रशासन ने हिंसा पर नियंत्रण और दोनों समुदायों के बीच तनाव कम करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है, जबकि सीमा क्षेत्रों में निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है।

अखिलेश ने शंकराचार्य से लिया आशीर्वाद, दोनों ने मंदिर घोटाले को लेकर बीजेपी पर साधा निशाना

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गुरुवार सुबह लखनऊ में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। यह 30 मिनट की मुलाकात, जिसमें अखिलेश जमीन पर बैठे दिखाई दिए, चार माह में दोनों नेताओं की दूसरी बैठक थी। इस भेंट के बाद अखिलेश यादव ने बताया कि शंकराचार्य गौमाता को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने को लेकर बेहद चिंतित हैं और इस दिशा में काम कर रहे हैं। वहीं, शंकराचार्य ने मंदिर में हुए कथित घोटाले पर खुलकर बात की, मुख्यमंत्री पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर इतना तक कह दिया कि जब नया मुख्यमंत्री आएगा, तब तगड़ी कार्रवाई करेगा। शंकराचार्य, जो गाय को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए 81 दिवसीय गोरक्षार्थ-धर्मयुद्ध यात्रा पर हैं, ने अखिलेश से हुई बातचीत में कहा कि भले ही लोग गाय को माता मानते हों, लेकिन सरकार गाय को पशु मानती है। सपा प्रमुख अखिलेश ने शंकराचार्य के आरोपों का समर्थन कर राम मंदिर चढ़ावे की चोरी को महापाप बताया और सीधे तौर पर भाजपा पर निशाना साधा, कहते हुए कि इन्होंने ही यह महापाप किया है। उन्होंने दावा किया कि मामले के सामने आने के बाद भाजपा में भगदड़ मच गई है और बहुत से लोग अभी से उनसे संपर्क साध रहे हैं, जबकि मौजूदा एसआईटी जांच को उन्होंने लीपापोती करार दिया। सपा प्रमुख यादव ने कहा कि यदि मंदिर परिसर में काम करने वाले लोगों की सीडीआर निकाली जाए, तब 99 प्रतिशत लोग भाजपा के ही निकलेंगे। जिसके बाद पार्टी में ऐसी भगदड़ मचेगी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती, और उन्होंने इंगित किया कि एसआईटी के एक सदस्य पर 420 का मुकदमा है, जो इस जांच की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

निज्जर हत्याकांड पर नए घटनाक्रम के बीच बयानबाजी तेज

-पूर्व विदेश सचिव ने उठाए सवाल

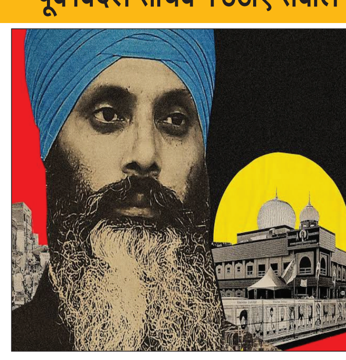

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की 2023 में हुई हत्या के मामले में हालिया जांच संबंधी घटनाक्रम के बाद भारत-कनाडा संबंधों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक और कूटनीतिक बहस तेज हो गई है। कनाडा की पुलिस ने हाल में कहा है कि मौजूदा संगठित अपराध संबंधी जांच और दायर आरोपों में भारतीय सरकारी अधिकारियों की संलिप्तता का कोई साक्ष्य सामने नहीं आया है।

इसी घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका के क्रिस्टोफर क्लैरी ने सोशल मीडिया पर टिप्पणी की कि कनाडाई अधिकारी इस मुद्दे पर सीधे जवाब देने से बच रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आधिकारिक बयान विवाद के मूल प्रश्न से ध्यान हटाने का प्रयास प्रतीत होता है। इस टिप्पणी पर भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यदि जांच एजेंसियां यह कह रही हैं कि उपलब्ध जांच और आरोपों में भारतीय सरकार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं मिला है, तो इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम से पूर्व में लगाए गए आरोपों पर नए सिरे से चर्चा की आवश्यकता महसूस होती है।

कनाडा की जांच एजेंसियों का कहना है कि हालिया कार्रवाई मुख्य रूप से संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ की गई है। इसी क्रम में अमेरिका ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके सहयोगियों पर निज्जर हत्या की साजिश रचने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, अमेरिकी अभियोग में भी भारतीय सरकार पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता का आरोप लगाया था, जिसे भारत ने शुरू से ही निराधार बताते हुए खारिज किया था। हालिया घटनाक्रम के बाद दोनों देशों के बीच इस मामले को लेकर बहस एक बार फिर चर्चा में है, जबकि जांच से जुड़े अन्य पहलुओं पर संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई जारी है।

ममता बनर्जी ने घर के बाहर पार्टी कार्यकर्ताओं को जड़े थप्पड़

-टीएमसी की रैली में हुआ था जोरदार हंगामा

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की विरोध रैली के दौरान उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब रैली पर कथित तौर पर अंडे फेंके गए और भाजपा तथा टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने आवास के बाहर मौजूद भीड़ पर नाराज होती दिखाई दीं और धक्का-मुक्की के दौरान उन्होंने अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ जड़ दिए। इस घटना के वीडियो फुटेज अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। टीएमसी ने यह रैली बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना के विरोध में निकाली थी। पार्टी को इस रैली के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय से अनुमति मिली थी। रैली बालीगंज फाड़ी से हाजरा क्रॉसिंग तक निकाली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने रैली में शामिल कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंके और 'चोर-चोर' के नारे लगाए, जिसके बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया। पार्टी का कहना है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा समर्थकों ने रैली में व्यवधान डालने का प्रयास किया और मारपीट की घटनाएं भी हुईं। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राज्य में अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है और पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार कर रही है। रैली के दौरान बालीगंज स्थित मुख्यमंत्री के आवास के पास भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प बढ़ गई, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज भी किया। घटना के बाद बड़ी संख्या में टीएमसी कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री के घर के बाहर पहुंच गए। भीड़ और धक्का-मुक्की के बीच ममता बनर्जी लोगों को पीछे हटने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहती नजर आईं। इसी दौरान उन्होंने सामने मौजूद तीन लोगों को कथित तौर पर थप्पड़ मारे, जिसका वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। उल्लेखनीय है कि बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुख्य आरोपी प्रभास मंडल पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है, जबकि फरार आरोपी कबीर मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया गया है।

तबाही मचाने आ रहा है महातूफान बावी, कई देशों में हाई अलर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशांत महासागर में उठा फ्रांस के आकार का महाविनाशकारी टाइफून बावी अब ताइवान और चीन की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाले इस शक्तिशाली तूफान के कारण ताइवान, चीन और जापान में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। गुरुवार को यह तूफान ताइवान के दक्षिण-पूर्व में पहुंच गया है, हालांकि रात भर में इसकी हवाओं की गति में मामूली कमी आई है, लेकिन इसका खतरा अभी भी बहुत बड़ा है। प्रशासन ने इसे कई वर्षों में सबसे शक्तिशाली तूफान बताते हुए निवासियों से अपील की है कि वे जरूरी सामानों का स्टॉक कर लें और किसी भी आपात स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार रहें। मौसम विज्ञान के आंकड़ों के अनुसार, टाइफून बावी का भारत पर सीधा कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल, यह महातूफान प्रशांत महासागर में बना है और इसका ट्रैक उत्तर-पश्चिम की ओर, यानी ताइवान, पूर्वी चीन और दक्षिणी जापान की ओर है, इसलिए भारत के किसी भी तटीय इलाके में इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है। हालांकि, मौसम विज्ञान के नजरिए से प्रशांत महासागर के इतने विशाल तूफानों का एशियाई मौसम प्रणालियों पर अप्रत्यक्ष असर जरूर देखने को मिलता है। ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, टाइफून बावी के विशाल घेरे के कारण फिलीपींस और दक्षिण-चीन सागर के आसपास चलने वाला दक्षिण-पश्चिम मॉनसून (हबागाट) काफी तीव्र हो गया है। बावी के असर से वहां भारी बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। इसका मतलब है कि तूफान ने उस क्षेत्र के मानसून को अतिरिक्त ऊर्जा दे दी है, जो आमतौर पर भारतीय सिस्टम से नमी को दूर ले जाता है।

1,000 किमी के क्षेत्र में फैला

वर्तमान में, यह तूफान अपने सबसे चौड़े बिंदु पर लगभग 1,000 किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है, जो आकार में लगभग फ्रांस देश की चौड़ाई के बराबर है। चीन के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार, यह तूफान ताइवान के उत्तरी हिस्से को छूते हुए शनिवार शाम को चीन के पूर्वी फुजियान प्रांत के तटों से टकराएगा। ताइवान के केंद्रीय मौसम प्रशासन के अधिकारी जेसन चांग ने बताया कि आकार के लिहाज से यह 1987 के बाद ताइवान से टकराने वाला सबसे बड़ा तूफान है, और हाल के वर्षों में इतने बड़े आकार के तूफानों का आना बहुत दुर्लभ रहा है।

चीन और जापान व ताइवान का हाल

भारत के पड़ोसी देश चीन और जापान व ताइवान जैसे देश जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार विनाशकारी मौसमी घटनाओं का सामना कर रहे हैं। वैज्ञानिकों के लिए यह साल विशेष चिंता का विषय है क्योंकि अल नीनो प्रभाव के उभरने की उम्मीद है, जिसके कारण समुद्र का तापमान बढ़ता है और इस तरह के टाइफून अधिक बार तथा कहीं ज्यादा विनाशकारी रूप में आते हैं। एक्यूवेदर के अनुसार, अगर टाइफून बावी अपनी मौजूदा ताकत बनाए रखता है, तो यह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 2024 में आए सुपर टाइफून कोंग-रे के बाद सबसे शक्तिशाली तूफान बन जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण चीन में बाढ़ का कहर : छह की मौत, 11 लापता, लाखों लोग प्रभावित

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण चीन के गुआंग्शी जुआंग स्वायत्त क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में मंगलवार शाम तक छह लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी लापता हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, टाइफून मेसाक की वजह से हुई भारी बारिश से गुआंग्शी में करीब 3.75 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 1.30 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। गुआंग्शी में राहत और बचाव का काम तेजी से जारी है। खोज और बचाव अभियान के लिए 8,000 से ज्यादा कर्मियों, 1,700 से अधिक वाहनों और 5,700 नावों को लगाया गया है। इसके साथ ही खतरनाक जगहों को सुरक्षित बनाने का काम भी चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, इलाके के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना है। फिलहाल क्षेत्र के 341 जलाशयों में पानी खतरे के निशाने से ऊपर है। वहीं, 41 नदियों के 56 निगरानी केंद्रों पर भी पानी का स्तर चेतावनी सीमा से ऊपर दर्ज किया गया है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि वह लोगों को समय रहते चेतावनी देने, जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और बाढ़ के बाद राहत व पुनर्वास के काम को और मजबूत करेगा।

अच्छी इंसान होकर भी मेलोनी ने गलती की, खराब हो गए रिश्ते : डोनाल्ड ट्रंप

अंकारा, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ईरान से जुड़े सैन्य अभियान में अमेरिका का साथ न देकर 'गलती' की। इस फैसले की वजह से दोनों देशों के रिश्तों में खटास आ गई। ?उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से पहले अंकारा में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बैठक से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट और ईरान से जुड़े मामले में इटली के सहयोग से इनकार करने के बाद मेलोनी के साथ उनके रिश्ते 'थोड़े खराब हो गए।' जब ट्रंप से सोशल मीडिया पर मेलोनी को लेकर की गई एक हालिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं।' उन्होंने कहा, 'पहले हमारे रिश्ते अच्छे थे, लेकिन फिर थोड़े खराब हो गए क्योंकि उन्होंने हमारी मदद करने से मना कर दिया। मैंने उन पर ज्यादा दबाव नहीं डाला था, लेकिन उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट के मामले में या कहें कि ईरान के मुद्दे पर, शामिल होने से इनकार कर दिया।' ट्रंप ने कहा कि इटली के इस फैसले का असर उनके रिश्तों पर पड़ा, हालांकि उन्होंने मेलोनी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'इससे मेरे और उनके रिश्ते में थोड़ी खटास आ गई। लेकिन, मैं उन्हें पसंद करता हूं। मुझे लगता है कि वह अच्छी इंसान हैं, लेकिन उन्होंने गलती की।' राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यूरोपीय देशों का होर्मुज स्ट्रेट में स्थिरता बनाए रखने में सीधा हित है क्योंकि वे मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर काफी हद तक निर्भर हैं। उन्होंने कहा, 'उन्हें अपना बहुत सारा तेल वहीं से मिलता है। हमें वहां से तेल की जरूरत नहीं है। अमेरिका के पास बहुत ज्यादा तेल है, बल्कि दुनिया में सबसे ज्यादा तेल हमारे पास है।

ईरानी संसद के स्पीकर की दो-टूक, अब धौंस जमाने और जबरन वसूली का दौर नहीं ; अमेरिका पर क्या आरोप लगाए?

तेहरान, एजेंसी। क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, ईरान के शीर्ष वार्ताकार और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने वाशिंगटन पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से द्विपक्षीय समझौतों के कई उल्लंघनों का विस्तृत विवरण दिया है। एक्स पोस्ट में, वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने अमेरिकी प्रशासन की ओर से किए गए समझौता ज्ञापन के कई प्रमुख उल्लंघनों को गिनाया, जो दोनों देशों के बीच राजनयिक प्रतिबद्धताओं में गंभीर दरार का संकेत देता है। संसद अध्यक्ष के अनुसार, इन अमेरिकी कार्रवाइयों में 'जलडमरूमध्य में ईरानी समायोजन का उल्लंघन', 'आगे और हमलों की लगातार धमकियां', 'तेल प्रतिबंधों को फिर से लागू करना', 'दक्षिणी ईरान पर हमले' और लेबनान में 'जायोनी आक्रामकता का जारी रहना' शामिल हैं। गालिबाफ ने आगे कहा 'धमकी और जबरन वसूली का युग समाप्त हो गया है। इससे कुछ हासिल नहीं होता। 'हम झुकेंगे नहीं।' तेहरान की यह तीखी बयानबाजी वाली जवाबी प्रतिक्रिया, समुद्री क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं के बाद अमेरिका द्वारा ईरानी ठिकानों के खिलाफ व्यापक सैन्य अभियान शुरू करने के साथ, शत्रुता में नाटकीय वृद्धि की सीधी प्रतिक्रिया है। भारी बमबारी के परिचालन संबंधी विवरण प्रदान करते हुए, अमेरिकी केंद्रीय कमान ने पुष्टि की कि उसने 7 जुलाई को जवाबी हमलों की एक श्रृंखला को अंजाम दिया, जिसमें ईरान के अंदर 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर सटीक निर्देशित गोला-बारूद से हमला किया गया। रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इन लक्षित अभियानों का मुख्य उद्देश्य तेहरान की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को नष्ट करना था। कई घंटों तक चले इस अभियान के दौरान जिन लक्ष्यों को नष्ट किया गया उनमें कमान और नियंत्रण नेटवर्क, वायु रक्षा तंत्र, तटीय रडार प्रतिष्ठान, जहाज-रोधी मिसाइल स्थल और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाएं शामिल थीं।

अमेरिका ने सीजफायर के बीच ईरान पर एयरस्ट्राइक की

80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया ; ईरान ने बहरीन और कुवैत में जवाबी हमले किए

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका ने सीजफायर के बीच बुधवार तड़के ईरान पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों को सटीक हथियारों से निशाना बनाया गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे तीन जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई। वॉशिंगटन ने इन हमलों के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है

एयरस्ट्राइक में एयर डिफेंस सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, तटीय रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप मिसाइल सिस्टम, ड्रोन लॉन्च साइट्स और ढ्ढक्रत्नष्ट की 60 से ज्यादा मिलिट्री बोट्स को निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के मुताबिक, सीरिक, केश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई धमाके हुए और कुछ जगहों पर आग लग गई। इसके जवाब में ईरानी सेना ने बहरीन और कुवैत में अमेरिका सैन्य ठिकानों पर 85 से ज्यादा टारगेट्स हिट करने का दावा किया है।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की: कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

ईरान बोला- धमकियों के बीच अमेरिका से बातचीत नहीं: ईरान के

विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि धमकियों के माहौल में कोई समझौता नहीं होगा। पहले अमेरिका को अपने पुराने समझौतों का सम्मान करना होगा।

कोम में खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी : तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद लगातार दूसरे दिन कोम में भी खामेनेई के जनाजे में लाखों की भीड़ उमड़ी। कई लोगों ने ताबूत पर लाल कपड़ा भी चढ़ाया, जो बदले का प्रतीक है।

खामेनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ पहुंचा: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर मंगलवार रात इराक के नजफ शहर पहुंचा। ईरान में कई दिनों तक चली अंतिम यात्रा और धार्मिक रस्मों के बाद ताबूत को विशेष विमान से नजफ लाया गया।

अमेरिकी अधिकारी का दावा- पहले से 4-5 गुना बड़ा हमला : एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से कहा कि इस बार ईरान पर किया गया हमला दस दिन पहले हुए हमलों की तुलना में 'चार से पांच गुना अधिक बड़ा और ज्यादा शक्तिशाली' है। अधिकारी ने यह भी कहा कि यह सैन्य अभियान कई घंटे और जारी रह सकता है तथा अप्रैल में हुए युद्धविराम के बाद यह अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई है। एक अन्य अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह अभियान 'सिर्फ जवाबी कार्रवाई नहीं बल्कि सजा देने के उद्देश्य से' चलाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा, 'यह सजा है और यह अभी खत्म नहीं होने वाला।अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने 21 जून को पूर्व प्रतिबंधों में ढील देते हुए 21 अगस्त तक ईरानी कच्चे तेल, पेट्रोकेमिकल और पेट्रोलियम उत्पादों के उत्पादन, आपूर्ति और बिक्री की अनुमति दी थी। यह फैसला अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन के बाद लिया गया था। वहीं, ईरान के सरकारी प्रसारक आईआपआईबी ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से दावा किया कि कतर के तेल टैंकर Al-Raqayat को इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वह अमेरिकी नौसेना के समर्थन के साथ ओमानी मार्ग से होर्मुज जलडमरूमध्य पार करने की कोशिश कर रहा था और उसने ईरान की कई चेतावनियों को नजरअंदाज किया। IRIB ने ईरान के पुराने रुख को दोहराते हुए कहा कि अमेरिका के हमले के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पहले जैसी नहीं रहेगी। जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को केवल उन्हीं मार्गों का इस्तेमाल करना होगा जिन्हें ईरान ने निर्धारित किया है, अन्यथा उनकी सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकती। अमेरिकी फैसले से पहले तीन तेल टैंकरों के होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास अज्ञात प्रोजेक्टाइल से प्रभावित होने की सूचना मिली थी। यह जानकारी ब्रिटेन की यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने दी। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली और तेहरान की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई।

बलूचिस्तान में मांगी डैम सुरक्षा चौकी पर आतंकी हमला : 9 पुलिसकर्मियों की मौत

क्वेटा/इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान से एक बार फिर बड़े आतंकी हमले की खबर सामने आई है। जियारत ज़िले में निर्माणाधीन 'मांगी डैम' की सुरक्षा में तैनात पुलिस बल पर अज्ञात बंदूकधारियों ने घात लगाकर आत्मघाती हमला किया। इस बर्बर हमले में दो वरिष्ठ अधिकारियों सहित कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई जवानों के लापता होने की खबर है। जियारत के डिप्टी कमिश्नर अब्दुल कुद्दूस अचकजई ने बीबीसी उर्दू को बताया कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने अचानक सुरक्षा चौकी को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

क्यों अहम है यह बांध: प्रभावित पुलिसकर्मी अरबों रुपये की लागत से बन रहे मांगी डैम के निर्माण स्थल की सुरक्षा के लिए तैनात थे। यह बांध बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा में पीने के पानी के गंभीर संकट को दूर करने के उद्देश्य से बनाया जा रहा है।

लापता जवानों के लिए सर्च ऑपरेशन: हमले के बाद से लापता पुलिसकर्मियों की सुरक्षित वापसी के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घटना के विरोध में स्थानीय लोगों और परिजनों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर उग्र प्रदर्शन भी किया।

हालांकि, अभी तक किसी भी बड़े उग्रवादी संगठन ने इस हमले की आधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इलाके में तुरंत मोर्चा संभाल लिया है। बलूचिस्तान प्रशासन के दावों के मुताबिक, हमले के तुरंत बाद जियारत और आसपास के पहाड़ी इलाकों में एक बड़ा 'क्लियरेंस ऑपरेशन' चलाया गया। इस जवाबी कार्रवाई के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 15 उग्रवादियों को मार गिराने का दावा किया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निंदा करते हुए जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों को देश का गौरव बताया। अफगानिस्तान और ईरान की सीमाओं से सटा बलूचिस्तान प्रांत पिछले लंबे समय से हिंसक उग्रवाद की आग में झुलस रहा है।

स्थानीय बनाम सीमा पार का संकट: यहाँ बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी) जैसे स्थानीय अलगाववादी गुट प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और अधिक स्वायत्तता की मांग को लेकर पाकिस्तानी सेना को निशाना बनाते रहे हैं। हाल ही में मई महीने में भी बीएलए ने एक सैन्य ट्रेन पर हमला किया था जिसमें 20 जवानों की मौत हुई थी।

ड्रोन और सीमा विवाद: इसके साथ ही इस क्षेत्र में सीमा पार (अफगान बॉर्डर) से होने वाले हवाई और जमीनी हमले भी बढ़े हैं। पिछले हफ्ते ही पाकिस्तान सेना ने सीमा पर चार संदिग्ध ड्रोन मार गिराने का दावा किया था, जिसके बाद से दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर है।

फ्रांसीसी अदालत से मरीन ले पेन को राहत, जानें कोर्ट ने क्या रखी शर्त; राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर संशय

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को 2027 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की दिशा में बड़ी राहत मिली है। हालांकि, अपील अदालत ने साफ किया है कि उन्हें अपनी सजा के तहत घर पर रहते हुए इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनना होगा। जबकि ले पेन पहले ही कह चुकी हैं कि इस शर्त के साथ चुनाव प्रचार करना उनके लिए स्वीकार्य नहीं होगा। पेरिस की अपील अदालत ने मंगलवार को ले पेन को यूरोपीय संसद के धन के गबन (गबन/दुरुपयोग) के मामले में दोषी माना, लेकिन उनकी सजा में कुछ राहत दी। अदालत ने सार्वजनिक पद संभालने पर लगी रोक को पांच साल से घटाकर 45 महीने कर दिया। इनमें से दो-तिहाई अवधि निलंबित रहेगी। इसके अलावा, उनकी जेल की सजा भी चार साल से घटाकर तीन साल कर दी गई। इनमें से दो साल की सजा निलंबित रहेगी, जबकि एक साल की सजा उन्हें घर पर इलेक्ट्रॉनिक निगरानी ब्रेसलेट पहनकर पूरी करनी होगी। यह मामला 2004 से 2016 के बीच का है। आरोप है कि ले पेन और उनकी पार्टी नेशनल रैली के अन्य नेताओं ने यूरोपीय संसद के उन फंड

का गलत इस्तेमाल किया, जो संसदीय सहायकों के वेतन के लिए दिए गए थे। आरोप के अनुसार, इस धन से पार्टी के कर्मचारियों को भुगतान किया गया। मार्च 2025 में निचली अदालत ने ले पेन को इस मामले में दोषी ठहराते हुए चार साल की जेल और पांच साल तक कोई निर्वाचित पद नहीं संभालने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ उन्होंने अपील की थी। 57 वर्षीय मरीन ले पेन लगातार सभी आरोपों से इनकार करती रही हैं। उनका कहना है कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया। वह 2027 में फ्रांस के राष्ट्रपति पद के लिए चौथी बार चुनाव लड़ना चाहती हैं।

लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अमेरिका-कनाडा ने निज्जर हत्याकांड का आरोपी बनाया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत में जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके साथी सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ पर नवंबर 2023 में कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश देने का आरोप लगाया है.

लॉस एंजिल्स में मंगलवार को जारी एक संघीय आरोप पत्र के अनुसार बिश्नोई ने तीन साल पहले 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक सिख मंदिर के बाहर निज्जर की हत्या का आदेश दिया था. ऑपरेशन हार्डबॉल' नाम के एक कोऑर्डिनेटेड एक्शन में अमेरिका, कनाडा और यूरोप की लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों ने 24 लोगों को गिरफ्तार किया. इनमें से 11 कैलिफ़ोर्निया में थे जो भारत के तीन ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप से जुड़े थे. उन पर निज्जर की हत्या समेत कई क्रिमिनल कामों का

आरोप था. अमेरिकी फर्स्ट असिस्टेंट अटॉर्नी बिल एसेली ने लॉस एंजिल्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'एक साथ काम करते हुए अमेरिका, कनाडा, यूरोप और एशिया में लॉ एनफोर्समेंट इन क्रिमिनल ऑर्गनाइजेशन को टारगेट करने और खत्म करने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है, चाहे वे कहीं भी काम करते हों. इन गुंडों के लिए कोई सेफ जगह नहीं है.' निज्जर की हत्या से भारत और कनाडा के बीच आपसी रिश्ते खराब हो गए थे, क्योंकि उस समय के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने नई दिल्ली सरकार को इस हत्या से जोड़ने की कोशिश की थी. भारत ने इन दावों को 'बेतुका और जानबूझकर किया गया' बताकर खारिज कर दिया था. मौजूदा कार्रवाई भारतीय क्राइम सिंडिकेट की सालों से चल रही फेडरल जांच का नतीजा है, जो रैकेटियरिंग, टारगेटेड किलिंग, शूटिंग, जबरन वसूली, इंटरनेशनल बॉर्डर के पार भारी मात्रा में नशीले पदार्थों की तस्करी और दुनिया भर में दूसरे ऐसे अपराधों में शामिल हैं, जिनका असर खासकर भारतीय प्रवासियों पर महसूस किया जाता है. कुल मिलाकर, 37 आरोपियों पर जिनमें दो ऐसे आरोपी भी शामिल हैं जो भारत में जेल में रहते हुए अपने ग्लोबल क्रिमिनल सिंडिकेट चलाते थे मंगलवार को खोले गए तीन चार्जशीट में आरोप लगाए गए. अमेरिका में गिरफ्तार किए गए लोग कैलिफ़ोर्निया में 11 के अलावा, एक को इंडियाना में और एक को जॉर्जिया में पकड़ा गया - आज फेडरल कोर्ट में अपनी पहली पेशी पर आ सकते हैं. कनाडा में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, एक को स्पेन में गिरफ्तार किया गया, और सात आरोपी पहले से ही कस्टडी में थे. एजेंसियां ??10 भगोड़ों की तलाश कर रही हैं. सात अमेरिका में दो भारत में और एक यूरोप में. बिश्नोई पहले से ही भारत की जेल में है, जबकि उसका साथी गोल्डी बरार अभी भी फरार है. एफबीआई के लॉस एंजिल्स फील्ड ऑफिस के असिस्टेंट डायरेक्टर इन चार्ज पैट्रिक ग्रैंडी ने कहा, 'आज (मंगलवार) का कोऑर्डिनेटेड ऑपरेशन तीन क्रूर ट्रांसनेशनल संगठनों के केंद्र पर हमला करता है, जिन्होंने अमेरिका और विदेशों में हिंसा के क्रूर कामों के ज़रिए परिवारों को आतंकित किया है, समुदायों का शोषण किया है।

होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों पर हमले, सऊदी और कतर के जहाजों को नुकसान

लंदन, एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने मंगलवार को बताया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तेल टैंकरों पर तीन अलग-अलग हमले हुए हैं। इन तीनों घटनाओं में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पहली घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को सोमवार रात 2119 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि ओमान के लिमाह से करीब आठ समुद्री मील पूर्व में दक्षिण की ओर जा रहे एक टैंकर के बाईं तरफ एक अज्ञात वस्तु टकराई, जिससे उसमें आग लग गई। दूसरी घटना की जानकारी मंगलवार को दी गई। इसमें एक टैंकर को किसी अज्ञात वस्तु से नुकसान पहुंचने की बात कही गई और माना जा रहा है कि उसके ढांचे को नुकसान हुआ है। तीसरी और सबसे नई घटना की जानकारी यूकेएमटीओ को मंगलवार को 1305 यूटीसी पर मिली। इसमें बताया गया कि एक और टैंकर को ड्रोन से हमला किया

गया, जिससे उसे हल्का ढांचागत नुकसान हुआ। यह जहाज अभी भी अपने अगले बंदरगाह की ओर जा रहा था। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, तीन में से दो जहाजों की पहचान हो चुकी है। इनमें से एक सऊदी अरब के झंडे वाला कच्चे तेल का टैंकर है, जबकि दूसरा कतर का तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर है। इससे पहले मंगलवार को ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दो ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया था, जो अमेरिका समर्थित ओमानी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार करने की कोशिश कर रहे थे। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी फार्स ने बताया कि इन जहाजों ने चेतावनी नहीं मानी थी। फार्स न्यूज एजेंसी ने स्वतंत्र सैन्य पर्यवेक्षक मेन्चोसिंट के 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सैटेलाइट तस्वीरों का हवाला देते हुए कहा कि समुद्री यातायात की जानकारी से पता चला कि इन दो टैंकरों पर हमले के बाद जापान, भारत और पश्चिमी देशों के कई अन्य जहाजों ने अपना रास्ता बदल लिया और जलडमरूमध्य पार करने के लिए ईरान की ओर से बताए गए रास्ते का इस्तेमाल किया। मंगलवार को मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि कतर का एक एलएनजी टैंकर और सऊदी अरब का एक कच्चे तेल का टैंकर होर्मुज स्ट्रेट के पास आईआरजीसी की ओर से किए गए कथित मिसाइल हमलों में क्षतिग्रस्त हुए। कतर के जहाज की पहचान अल रेकय्यात के रूप में की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, हमला होने के बाद इस जहाज ने मदद के लिए आपातकालीन संकेत भेजे। कतर ने मंगलवार को अल-रेकय्यात पर हुए हमले की निंदा की। कतर ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और समुद्री यातायात तथा दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा बताया। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि कतर इस हमले और इससे होने वाले किसी भी नुकसान या परिणाम के लिए ईरान को पूरी तरह कानूनी रूप से जिम्मेदार मानता है।

पाकिस्तान के शारजाह से कराची जा रहा कार्गो विमान लापता, क्या समुद्र में गिरा बोइंग 737?

शारजाह, एजेंसी। पाकिस्तान में मंगलवार रात को शारजाह से कराजी जा रहे बोइंग 737 मालवाहक विमान का हवाई यातायात नियंत्रण से संपर्क टूट गया। विमान के पायलट ने पहले नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी थी। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने तुरंत खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया। विमान में पांच चालक दल के सदस्य सवार थे।

पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बताया कि के2 एयरवेज द्वारा संचालित 27 साल पुराने परिवर्तित मालवाहक विमान ने कराची की ओर उड़ान भरते समय पाकिस्तानी मानक समय के अनुसार रात 9:18 बजे नेविगेशन सिस्टम में खराबी की सूचना दी।

रडार सिस्टम में क्या दिखा : अधिकारियों के अनुसार, समस्या की सूचना मिलने के बाद स्थानीय हवाई यातायात नियंत्रकों ने विमान को निर्देशित करने का प्रयास किया। हालांकि, रडार सिस्टम ने लगभग तीन मिनट बाद विमान को तेजी से नीचे उतरते हुए दिखाया और विमान से संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने बताया कि उस समय विमान कराची से लगभग 155 समुद्री मील (287 किमी) पश्चिम में था।

फ्लाइटराडार24 ने क्या बताया : पाकिस्तान एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कहा है कि लापता विमान का पता लगाने के लिए उसने अलग-्अलग एजेंसियों के माध्यम से समुद्र में एक समन्वित खोज और बचाव अभियान शुरू किया है। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटराडार24 के अनुसार, प्रारंभिक उड़ान डेटा से संकेत मिलता है कि विमान कराची के दक्षिण-पश्चिम में समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा। संभवत ऊंचाई में कई तीव्र परिवर्तनों के बाद और फिर अंतिम तेज अवरोहण के कारण।

विमान समुद्र तल से कितना ऊपर था : स्थानीय प्रसारक जियो न्यूज के अनुसार, विमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में ओरमारा के पास अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते समय लापता हो गया। फ्लाइटराडार24 ने बताया कि उड़ान डेटा से पता चलता है कि विमान ने पहले ऊंचाई खोई, फिर थोड़ी देर के लिए ऊपर चढ़ा और उसके बाद अचानक और तेजी से नीचे गिरने लगा। सेवा ने आगे बताया कि आखिरी डेटा के अनुसार विमान समुद्र तल से 1,100 फीट ऊपर था। उसकी ऊर्ध्वाधर गिरावट की दर माइनस 22,400 फीट प्रति मिनट थी, जो कि एक अत्यंत तीव्र और असामान्य गिरावट दर है।

क्या है बोइंग 737 : लापता विमान बोइंग 737-400 था। यह निजी मालवाहक एयरलाइन के2 एयरवेज का एकमात्र विमान था। एयरलाइन ने इस विमान को 2024 में सेवा में शामिल किया था। फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान मूल रूप से 1999 में रूस की एयरोफ्लोट के साथ एक यात्री जेट के रूप में सेवा में आया था, जिसे 2012 में एक मालवाहक विमान में परिवर्तित कर दिया गया था।

श्रीलंका की जेल में ड्रग माफिया का खूनी खेल, दो गुटों के संघर्ष में 26 लोगों की दर्दनाक मौत

कोलंबो , एजेंसी। कोलंबो के पास स्थित जेल में हुई यह घातक झड़प श्रीलंका की जेल व्यवस्था में व्याप्त गहरी समस्याओं, जैसे क्षमता से अधिक कैदी और सुरक्षा चूक, को उजागर करती है। 26 मौतों के बाद, अब सरकार पर जेलों में अवैध गतिविधियों को रोकने और सुरक्षा सुधारों को लागू करने का दबाव बढ़ गया है।

श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के करीब स्थित नेगोम्बो जेल में हुई हिंसक झड़प ने पूरे देश को झकझोर दिया हैं। जेल के भीतर दो गुटों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़े संघर्ष में बदल गया, जिसमें कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में जेल के कर्मचारी और कैदी दोनों शामिल हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार यह हिंसा रविवार को शुरू हुई थी और सोमवार तक जारी रही। हालात बिगड़ने के बाद सुरक्षा बलों को जेल परिसर में अतिरिक्त तैनाती करनी पड़ी। कई घंटों की कोशिशों के बाद स्थिति पर काबू पाया गया और अब जेल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

श्रीलंका के न्याय मंत्री हर्षणा नानायक्कारा ने इस घटना की जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए कहा कि जेल विभाग उनके मंत्रालय के अधीन आता है, इसलिए वह इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने बताया कि इस हिंसा में सात जेल अधिकारियों और 19 कैदियों की मौत हुई हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आगे ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बता

दें कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जेल के भीतर कथित तौर पर नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक समूह और उसका विरोध करने वाले दूसरे समूह के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद ने बाद में हिंसक रूप ले लिया। हालांकि जांच एजेंसियां अभी सभी पहलुओं की विस्तार से जांच कर रही हैं और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। गौरतलब है कि श्रीलंका की कई जेलों में पिछले कुछ वर्षों से क्षमता से अधिक कैदियों की मौजूदगी, सुरक्षा व्यवस्था की चुनौतियां और जेल के भीतर अवैध गतिविधियों को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। मानवाधिकार संगठनों ने भी कई बार जेलों में सुधार और निगरानी व्यवस्था मजबूत करने की मांग की हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जेल के भीतर संगठित अवैध गतिविधियां सक्रिय रहती हैं, तो इस तरह के टकराव की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे मामलों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जेल प्रशासन की निगरानी और खुफिया तंत्र को भी अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत मानी जाती है। घटना में घायल हुए 100 से अधिक लोगों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. जहां उनका इलाज चल रहा हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। श्रीलंका सरकार ने पूरे मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जाएगी कि जेल के भीतर कथित अवैध गतिविधियां किस प्रकार संचालित हो रही थीं और सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई है। इस घटना के बाद श्रीलंका की जेल व्यवस्था एक बार फिर चर्चा में आ गई है। सरकार पर अब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, जेलों में भीड़ कम करने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने का दबाव बढ गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत की खाड़ियों के पुनर्विकास के लिए 500 करोड़ रुपये मंजूर

मुख्यमंत्री का आदेश—अवैध कब्जे हटाओ, लापरवाह अधिकारी और ठेकेदार नहीं बचेंगे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सूरत में बाढ़ की गंभीर स्थिति की समीक्षा के बाद खाड़ियों के पुनर्विकास, गहरीकरण और अवैध कब्जे हटाने के लिए 500 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की घोषणा की है। जरूरत पड़ने पर 1,500 करोड़ रुपये तक अतिरिक्त राशि देने

की भी बात कही गई।

मुख्यमंत्री ने नगर निगम को निर्देश दिया कि खाड़ियों के किनारे बने सभी अवैध निर्माण बिना किसी राजनीतिक दबाव के तत्काल हटाए जाएं ताकि पानी का प्रवाह बाधित न हो।

बाढ़ के लिए जिम्मेदार पांच बड़ी लापरवाहियां

1. प्री-मानसून तैयारियों में भारी कमी और ड्रेनेज की सफाई का अभाव।
2. संकट प्रबंधन और राहत कार्यों में समन्वय की विफलता।
3. कमजोर इंफ्रास्ट्रक्चर और खाड़ियों पर अवैध कब्जे।
4. नाव, पंप और अन्य संसाधनों की कमी।
5. समय रहते लोगों को चेतावनी और सुरक्षित स्थानों पर नहीं पहुंचाया गया।

गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि भविष्य में यदि ऐसी स्थिति दोबारा बनी तो जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर कड़ी अनुशासनात्मक तथा आवश्यक होने पर आपराधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिया कि प्रभावित लोगों को 24 घंटे के भीतर नकद सहायता और घरेलू सामान के लिए राहत उपलब्ध कराई जाए।

नई बनी सड़कों के धंसने और टूटने की जांच के आदेश दिए गए हैं। घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि कुछ अवैध निर्माणों के कारण लाखों नागरिकों को परेशानी नहीं झेलनी चाहिए और भविष्य में ऐसी स्थिति रोकने के लिए स्थायी समाधान पर तुरंत काम शुरू किया जाएगा।

दुकान का शटर खुलते ही व्यापारियों की आंखों में आंसू आ गए

स्थानीय बाजारों से खरीदारी की अपील

सूरत शहर में हाल ही में हुई भारी बारिश और जलभराव के कारण टेक्सटाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स हब माने जाने वाले इलाकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। खासकर पोदार मार्केट के व्यापारियों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद पूरे बाजार में सिर्फ तबाही के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। पिछले 12 वर्षों से पोदार मार्केट से जुड़े स्थानीय व्यापारी हरेशभाई ने इसे अब तक की सबसे बड़ी तबाही बताया है।

करीब 48 घंटे बाद पोदार मार्केट से पानी पूरी तरह निकल पाया। जब व्यापारियों ने अपनी दुकानें खोलीं तो अंदर का दृश्य देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए। कई व्यापारियों को तो दुकान बंद करने का भी मौका नहीं मिला था। दुकानों में रखा मोबाइल एक्सेसरीज़ और अन्य सभी प्रकार का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया।

पिछले दो वर्षों से पोदार मार्केट में अपनी दुकान चला रहे व्यापारी हरेशभाई ने भावुक होकर कहा, 'मैंने वर्षों तक यहां नौकरी की और उसके बाद दो साल पहले अपनी खुद की दुकान शुरू की थी। लेकिन इस बाढ़ ने सब कुछ बर्बाद कर दिया। जिन व्यापारियों ने शून्य से अपनी मेहनत के दम पर कारोबार खड़ा किया था, आज बाढ़ के कारण पूरा पोदार मार्केट फिर से शून्य पर आकर खड़ा हो गया है।'

उन्होंने बताया कि दुकानों में पानी भर जाने से लाखों रुपये का माल पूरी तरह नष्ट हो गया है और व्यापारियों के हाथ कुछ भी नहीं बचा है।

इस कठिन समय में व्यापारियों ने सूरत की जनता से सहयोग की उम्मीद जताई है। आगामी रथयात्रा से लेकर सभी बड़े त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है। ऐसे में व्यापारी हरेशभाई ने हाथ जोड़कर सूरतवासियों से अपील की है कि वे स्थानीय बाजारों का पूरा समर्थन करें। चाहे कपड़ा बाजार हो या इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट, यदि ग्राहक स्थानीय व्यापारियों से खरीदारी करेंगे, तभी सूरत का यह गौरवशाली बाजार दोबारा खड़ा हो सकेगा। आपसी सहयोग से ही सुंदर सूरत को फिर से पहले की तरह बनाया जा सकता है।

व्यापारियों ने सूरत के नागरिकों से विशेष अनुरोध किया है कि इस कठिन आर्थिक संकट के समय किसी भी वस्तु की खरीदारी ऑनलाइन करने के बजाय सीधे स्थानीय दुकानों से ऑफलाइन खरीदारी करें। उनका कहना है कि यह नुकसान केवल पोदार मार्केट तक सीमित नहीं है, बल्कि सूरत के उन सभी छोटे-बड़े व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है

खाड़ी में आई बाढ़ के तीसरे दिन भी लोगों की परेशानी बरकरार

केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने डिंडोली और पर्वत पाटिया के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया

प्रशासन को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में तीन प्रमुख खाड़ियों के ओवरफ्लो होने से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति का आज तीसरा दिन है। भारी बारिश और प्राकृतिक आपदा के कारण शहर का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा जलमग्न हो गया था। तीसरे दिन अधिकांश रिहायशी इलाकों से बाढ़ का पानी धीरे-धीरे उतर रहा है, जिससे लोगों ने कुछ हद तक राहत की सांस ली है।

हालांकि, बाढ़ की तीव्रता इतनी अधिक थी कि पानी उतरने के बाद भी जनजीवन पर उसके गंभीर प्रभाव साफ दिखाई दे रहे हैं। सड़कों पर कीचड़ का साम्राज्य फैला हुआ है और लोगों के घरों व घरेलू सामान को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

शहर के अधिकांश इलाकों से पानी उतर चुका है, लेकिन

पर्वत गांव और लिम्बायत जैसे निचले क्षेत्रों की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां अभी भी दो से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है, जिससे स्थानीय लोग अपने ही घरों में कैद होकर रह गए हैं।

पीने का साफ पानी, अनाज और दूध जैसी आवश्यक वस्तुएं जुटाने में भी लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, घरों में पानी भर जाने से अनाज खराब हो गया है और बिजली नहीं होने के कारण रातें अंधेरे में बितानी पड़ रही हैं। ऐसे में हालात सामान्य होने में अभी समय लगेगा।

सूरत की गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल दिल्ली से तत्काल सूरत पहुंचे। उन्होंने नवागाम, डिंडोली और लिम्बायत सहित कई बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का ग्राउंड जीरो पर जाकर निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान उन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों से सीधे बातचीत की। मंत्री ने पीड़ितों को सांत्वना दी और आश्वासन दिया कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी तथा प्रशासन भी राहत कार्यों में पूरी संवेदनशीलता के साथ जुटा रहेगा।

केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने पर्वत पाटिया स्थित मॉडल टाउनशिप का भी दौरा कर बाढ़ से व्यापारियों और स्थानीय निवासियों को हुए आर्थिक नुकसान का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और सूरत महानगरपालिका (SMC) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि बाढ़ पीड़ितों तक सरकारी सहायता और नकद राहत (कैश डोल) बिना किसी देरी के पहुंचाई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रभावित लोगों के बैंक खातों में या सीधे उन्हें राहत राशि जल्द से जल्द उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे अपने जीवन को दोबारा पटरी पर ला सकें।

दूसरी ओर, जिन क्षेत्रों से बाढ़ का पानी पूरी तरह उतर चुका है, वहां सूरत महानगरपालिका (SMC) की टीमें युद्धस्तर पर सफाई अभियान चला रही हैं। पर्वत पाटिया और आसपास

के इलाकों में सफाई कर्मचारी दिन-रात सड़कों की सफाई, कीचड़ हटाने और नालियों की सफाई में जुटे हुए हैं। बाढ़ के गंदे पानी के कारण किसी प्रकार की महामारी न फैले, इसके लिए फॉगिंग मशीनों से छिड़काव, कीटनाशक दवाओं और ब्लीचिंग पाउडर का व्यापक उपयोग किया जा रहा है, ताकि मच्छरजनित और जलजनित बीमारियों पर नियंत्रण रखा जा सके।

सूरत शहर में तीन-तीन खाड़ियों के ओवरफ्लो होने से शहर का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा जलमग्न हो जाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी है। हर वर्ष मानसून के दौरान खाड़ी किनारे बसे इलाकों में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालना अब अनिवार्य हो गया है। इसके लिए सूरत महानगरपालिका और राज्य सरकार को खाड़ियों की गहराई बढ़ाने, सुरक्षा दीवारों को मजबूत करने तथा ड्रेनेज सिस्टम को आधुनिक बनाने जैसे दीर्घकालिक कदम उठाने होंगे। यदि भविष्य में ऐसी आपदाओं से नागरिकों को बचाना है, तो अभी से आधुनिक जल प्रबंधन और मजबूत आधारभूत संरचना विकसित करना ही एकमात्र स्थायी समाधान है।

दो महीने पुरानी छेड़छाड़ का बदला गोलियों से

पांडेसरा के गीता नगर में हवा में दो राउंड फायरिंग कर फरार अवधेश पांडे ने रजनीकांत पर ताना निशाना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर अभी हाल ही में तापी नदी में आई बाढ़ और भारी बारिश से हुए नुकसान से उबरने की कोशिश कर रहा है। कई इलाकों में पानी भरने से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था और प्रशासन अभी भी सफाई तथा बीमारियों की रोकथाम के कार्यों में जुटा है। इसी बीच शहर में कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने वाली एक और गंभीर घटना सामने आई है। पांडेसरा जैसे घनी आबादी वाले इलाके में शाम के समय हुई खुलेआम फायरिंग ने पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था के दावों की पोल खोल दी है। बाढ़ का पानी पूरी तरह उतरा भी नहीं था कि गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह सनसनीखेज घटना पांडेसरा के प्रसिद्ध और हमेशा व्यस्त रहने वाले 'तेरे नाम रोड' स्थित गीता नगर सोसाइटी में हुई। शाम के समय जब लोग अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे, तभी अचानक गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। आरोपी ने हवा में लगातार दो राउंड फायरिंग की, जिससे सोसाइटी के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। उस समय महिलाएं और बच्चे भी घरों के बाहर मौजूद थे। फायरिंग होते ही लोग जान बचाने के लिए अपने-अपने घरों में भाग गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस घटना के पीछे कोई तत्काल विवाद नहीं बल्कि पुरानी रंजिश थी। लगभग दो महीने पहले इसी इलाके में एक युवती के साथ छेड़छाड़ की घटना हुई थी। इस मामले को लेकर गीता नगर निवासी अवधेश पांडे और रजनीकांत शर्मा के बीच लंबे समय से विवाद और तनाव चल रहा था। दोनों पक्ष एक-दूसरे को अक्सर देख लेने की धमकियां भी देते थे। इसी पुरानी रंजिश का बदला लेने और विरोधी पक्ष को सबक हुए अवैध हथियार (तमंचा) निकाल लिया। रजनीकांत शर्मा को डराने और इलाके में अपना दबदबा दिखाने के उद्देश्य से अवधेश पांडे ने हवा में दो राउंड फायरिंग कर दी। फायरिंग के बाद आरोपी हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गया, जिससे पूरे इलाके में भय का माहौल फैल गया।

पांडेसरा जैसे भीड़भाड़ और संवेदनशील क्षेत्र में फायरिंग की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पांडेसरा पुलिस थाने के वरिष्ठ

सिखाने के इरादे से इस घटना को अंजाम दिया गया।

बताया जा रहा है कि बुधवार शाम विवाद ने उग्र रूप ले लिया। आरोपी अवधेश पांडे गीता नगर सोसाइटी में रजनीकांत शर्मा के घर के पास पहुंचा। रजनीकांत को देखते ही वह भड़क गया और उसे जान से मारने की धमकी देते

अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपी के भागने के रास्ते का पता लगाकर उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

200 वर्षा प्रभावित परिवारों को अग्रवाल विकास ट्रस्ट ने वितरित की सर्वाइवल किट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। लगातार हो रही भारी बारिश से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए अग्रवाल विकास ट्रस्ट एवं उसकी युवा शाखा ने मानवीय पहल करते हुए 200 परिवारों को सर्वाइवल किट वितरित की।

ट्रस्ट द्वारा वितरित किट में आटा, दाल, चावल सहित दैनिक उपयोग की आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल थी, ताकि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत मिल सके।

इसके अलावा ट्रस्ट की युवा शाखा ने आजाद नगर क्षेत्र में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों के बीच नाश्ता एवं अन्य आवश्यक सामग्री का भी वितरण किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने राहत कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए प्रभावित परिवारों तक सहायता पहुंचाई।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में समाज के जरूरतमंद लोगों की हर संभव सहायता करना संस्था की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर आगे भी राहत कार्य जारी रखे जाएंगे।

सेवा कार्यक्रम में आजाद नगर

सूरत में प्राकृतिक आपदा से टेक्सटाइल उद्योग की कमर

1 करोड़ से अधिक साड़ियां बर्बाद, करोड़ों के नुकसान से व्यापारी बेहाल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत केवल 'डायमंड सिटी' के रूप में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में 'टेक्सटाइल सिटी' के रूप में भी अपनी अलग पहचान रखता है। लेकिन हाल ही में शहर पर आई प्राकृतिक आपदा का सबसे बड़ा और सबसे गंभीर असर इसी कपड़ा उद्योग पर पड़ा है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद जब व्यापारियों ने भारी मन से अपनी दुकानें खोलीं, तो सामने का मंजर देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए।

रक्षाबंधन और दिवाली जैसे बड़े त्योहार नजदीक होने के कारण पूरे देश में सूरत की साड़ियों और ड्रेस मटेरियल की भारी मांग रहती है। इस मांग को पूरा करने के लिए व्यापारियों ने करोड़ों रुपये का माल पहले से स्टॉक कर रखा था। लेकिन बाढ़ का पानी इतनी तेजी और अचानक दुकानों में घुसा कि उन्हें सामान बचाने का मौका ही नहीं मिला। दुकानों में पानी भर जाने से लगभग 1 करोड़ से अधिक साड़ियां पूरी तरह खराब हो गईं। अब इन्हें कचरे में फेंकने के अलावा व्यापारियों के पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।

सूरत के रिंग रोड और उसके आसपास स्थित लगभग 100 कपड़ा बाजारों की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। सबसे अधिक नुकसान बेसमेंट में स्थित दुकानों को हुआ है, जो अभी भी पूरी तरह पानी में डूबी हुई हैं। व्यापारियों का कहना है कि पानी उतरने के बाद भी उनके हाथ कुछ नहीं आने वाला। करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका के बीच व्यापारी स्थानीय प्रशासन की प्री-मानसून तैयारियों और योजना पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं तथा उनमें भारी आक्रोश और नाराजगी देखी जा रही है।